



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २८, १९७८ (माघ ८, १८९९)

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 28, 1978 (MAGHA 8, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १२ दिसम्बर १९७७

सं० पी०/१८९०-प्रशा०-१—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा डा० टी० रामसामी को १-१२-१९७७ के पूर्वाह्न से २ वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक २७ दिसम्बर १९७७

सं० ए० १२०१९/१/७५-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ५-१२-१९७७ से ३० दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों का आदेश दिया जाता है:—

(i) कुमारी संतोष हाँडा, जो सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रही है, को अवकाश प्रदान किए जाने के कारण, उनके स्थान पर श्री बी० आर० गुप्ता को, जो अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उन्हें सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए।

(ii) श्री बी० आर० गुप्ता, जो अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर

1—४३६ GI/77

कार्य रहे हैं, के पदोन्नति हो जाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर सहायक अधीक्षक (हाल) श्रीमती डी० जे० ललवानी को अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए।

दिनांक ६ जनवारी १९७८

सं० ए० १२०१९/१/७५-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग की समसंलग्न अधिसूचना विनाक ३० जुलाई, १९७७ के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों हाल० को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १-१-१९७८ से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक तथा संसाधन के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री एम० एल० घ्रवत,
2. श्री जे० एल० कपूर और
3. कुमारी संतोष हाँडा।

पी० एन० मुख्यमंत्री
प्रबन्ध सचिव
हाले अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक अधीकारी (हाल०) को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-1-78 के पूर्वाह्न से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्री वी० आर० गुप्ता,
2. श्री एम० एम० शर्मा और
3. श्री जगदीश लाल

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
हेतु सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को, जिन्हें समसंबंधक आदेश दिनांक 29 सितम्बर, 1977 द्वारा 30-11-1977 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-12-1977 से 28-2-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी रसियत में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12024/4/77-प्रशा०-I—17-10-1977 को हुई वैयक्तिक वार्ता के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उनके चयन हो जाने के परिणामस्वरूप, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एस० पी० चक्रवर्ती को 18-10-1977 से आगामी आवेदों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

आयोग की अनुशंसा पर अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री अक्षवर्ती का वेतन मूल नियम 27 के अधीन रु 1500-60-1800 के वेतनमान में रु 1740/- नियत किया गया है।

सं० ए० 19014/5/77-प्रशा०-I—भारतीय रेल लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० बाल चन्द्रन ने 9-12-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० ए० 31014/1/77-प्रशा०-III—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, जो संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत हैं तथा इस संवर्ग से संबद्ध अनुभाग अधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित हैं, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	स्थायीकरण की तिथि	विशेष
1.	श्री वी० एस० करदम	1-12-1975	30-9-77 से सेवा-निवृत्त
2.	श्री एम० एल० कोमल	1-1-1976	
3.	श्री पी० सी० गुप्ता	1-1-1976	
4.	श्री आर० सहाय	1-10-1976	
5.	श्री एस० एस० नागर	1-7-1977	
6.	श्री आर० जी० पुरंग	14-7-1977	
7.	श्री एम० पी० जैन	1-9-1977	
8.	श्रीमती वी० के० मदान	1-10-1977	

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 4-11-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया ने राष्ट्रपति द्वारा 12-11-1977 से 29-12-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 4-11-1977 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुमान अधिकारी सर्वश्री वी० एस० रियात और आर० आर० अहीर, को, राष्ट्रपति द्वारा-क्रमशः 3-10-1977 से 31-12-1977 तक और 4-10-1977 से 29-12-1977 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० पी०/556/-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 1-2-1977 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा

श्री एम० एम० टामस की पुनर्नियुक्ति की अवधि को 1-12-1977 से एक मास की अतिरिक्त अवधि के लिए सहृदय बढ़ाया जाता है।

प्र० ना० मुख्यमंत्री
अवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० पी०/1821-प्रशा०-I—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में भूतपूर्व पादप शरीर किया विज्ञानी तथा संघ स्वेच्छा सेवा आयोग में स्थानापन्न उप सचिव डा० गोपाल स्वरूप की सेवाएं 5-1-1978 (अपराह्न) से भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को पुनः सौंपी जाती है।

प्र० ना० मुख्यमंत्री
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ स्वेच्छा सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० पी० एफ०/बी०/3-जी०—पेशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री डी० एन० बाहरी, स्थायी अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को सेवा-निवृत हो गये।

सं० पी० एफ०/आर०/19-एन० जी०—पेशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री आर० रामचन्द्रन, स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी केन्द्रीय सतर्कता आयोग, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को सेवा-निवृत हो गये।

श्री निवास
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ए० 19036/14/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, भारतराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एस० बी० तलवार को दिनांक 23-11-1977 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19015/2/77-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एच० एस० कश्यप को दिनांक 17-12-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19036/17/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,

एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कलकत्ता शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एन० सी० शृष्टि को दिनांक 29-11-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे
प्रशासन अधिकारी
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ए० 19036/15/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री रणजीत कुमार सरकार, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा तथा पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी को दिनांक 28-11-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० के० हुई
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० ओ०-II-1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ती को 18-12-1977 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ओ० दो-1332/76-स्थापना—श्री प्रशान्त त्यागी ने उनके आई० बी० में प्रत्यावासन होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधिकारी, महानिदेशालय, के० रि० पु० दल को नियन्ति करने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधिकारी के पद पर 29-12-1977 (अपराह्न) से 35वीं बाहिनी में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 8 जनवरी 1978

सं० डी० एफ० 12/77-स्थापना—श्री एम० एम० थपलीयाल की सेवाएं आई० टी० बी० पी० द्वारा के० रि० पु० दल को नियन्ति करने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधिकारी के पद पर 29-12-1977 (अपराह्न) से 35वीं बाहिनी में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 10 जनवरी 1978

सं० ओ०-II-1071/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर सन्कू असारी गिरी, 28 बटालियन

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, का त्यागपत्र दिनांक 3-12-1977 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली-24, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० ई० 38013(3) 17/77-कार्मिक—बड़ौदा से स्थानांतरित होने पर, श्री एस० पी० मूलचंदानी ने 28 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लिमिटेड भिलाई में सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सिं० बिष्ट
महानिरीक्षक
के० औ० सु० ब०

दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/का० आ०-598/2121—वार्षिक निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री डी० वी० घोषाल 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न में सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

उनकी जन्म तिथि 30-12-1919 है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ई० बी०-I/8-132/77-78/371—श्री एम० ए० सिद्धीकी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 अपराह्न।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, प्रथम, पश्चिम बंगाल
कलकत्ता-1, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० प्रशा०-I/1038-XV--/3267—महालेखाकार, प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री निर्मल चन्द्र हालदार, स्थायी अनुभाग

अधिकारी को अत्याधीशी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 23-12-77 (अपराह्न) या उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करने की कृति को है। श्री हालदार महालेखाकार कार्यालय, द्वितीय, पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ उप महालेखाकार (ओ० ए० आई० सी०) से अपने वर्तमान पद से मुक्त हो कर महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) को सूचित करें ताकि उस उक्त कार्यालय में रिक्त स्थान पर उनकी वहाली लेखा अधिकारी के रूप में हो सके।

लेखा अधिकारी को पारसारिक प्रवरता यथा समय घोषित कर दी जायेगी।

पी० के० बन्धोपाध्याय
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, द० म० रेलवे
सिकन्दराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० एच०/ए०/II/5—श्री एम० अड्डीकला स्वामी लेखा परीक्षा अधिकारी अधिवार्षिकी की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप 31-12-1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

डी० एन० प्रसाद
उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक
नई दिल्ली-22, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 18342/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० स्वामीनाथन को उस सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्टर-1 (रूपमे 2500/- 125/2-2750) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, दिनांक 28-12-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सर्वोत्तम नियुक्त करते हैं।

बी० एस० भीर
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक
(प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० 5/बी०/51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० वी० एन० राव सरकारी

सेवा से वार्द्धक्यनिवर्तन पर 31-7-1977 के अपराह्न से नियुक्त हो गए।

वी० के० एस० वरदन
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 4(59)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी विजामूरी लक्ष्मी को आकाशवाणी विशाखा-पटनम मे० 17-11-1977 से अगले आदेष्टों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप मे० नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना श्री प्रसारण मन्त्रालय
फिल्म प्रभाग
बम्बई-26, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० ए० 12026/7/75-सिवन्दी-I—श्री एम०, चंद्रन् नायर स्थानापन्न, सहायक प्रशासनिक अधिकारी को, प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करने के कारण फिल्म प्रभाग के पेमुख निमत्ता ने, श्री विंह० आर० पेसवानी, स्थायी अधिकारी को दिनांक 29-12-1977 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चंद्रन् नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० 27-6/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने संचर मन्त्रालय, डाक तार बोर्ड, नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री पी० एल० नयर को 1 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेष्टों तक राष्ट्रीय भलेरिया उन्मलन कार्यक्रम, दिल्ली मे० लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/3/77 (सी० एफ० एल०)-प्रशासन-I—श्री ज्योति कुमार सरकार की, केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता मे०, 26 मार्च, 1977 पूर्वाह्न से कनिष्ठ विशेषक के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री ए० बसाक जो कनिष्ठ विशेषक के पद पर तदर्थ आधार पर काम कर रहे थे, नं उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/22/77 (एच० व्य०) प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री सी० डबराल को 29 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेष्टों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली मे० उप निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उप निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर अपनी नियुक्ति, हो जाने के फलस्वरूप, श्री सी० डबराल ने 29 नवम्बर 1977 पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली से अपर उप सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुदियाला
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19019/9/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० वी० डी० गुप्ता को 1 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली मे० आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/21/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० मुथुकृष्णन् को 29 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद मे० आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/3/77-के० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) पद्मनी दास को 16 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर मे० होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/38/77-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) चन्दा जोशी को 15 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर मे० होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/39/77-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० के० मिथा को 9 सितम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ मे० होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 22013/1/77-के० स० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से केन्द्रीय सरकार योजना बम्बई मे० अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० ए

बी० शुक्ला, डेन्टल सर्जन ने 30 सितम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य प्रोजेक्ट, हैदराबाद से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 3 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से बम्बई में डेन्टल सर्जन के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एस० भाटिया
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० स्था 3(1)/67-v/16875—डा० पी० के० प्राप्तिनियुक्ति, नो नियुक्ति मूल रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, जोव रसायन के स्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतन क्रप में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामय्या
निदेशक

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० फाइल 4-5(86)/77-प्र०-III—श्री आर० नरसिंहन्, सहायक विपणन अधिकारी को दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 3 माह से अधिक की अवधि के लिए नहीं, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, तिरुपुर म स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया जाता है।

(2) विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री नरसिंहन् ने दिनांक 19 नवम्बर, 1977 के अपराह्न में कलकत्ता में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाइल 4-6(125)/77-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 17 अक्टूबर, 1977 द्वारा अधिसूचित अल्पकालीन आधार पर दिनांक 26 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के पद पर श्री बी० के० खिंचल को नियुक्ति को दिनांक 31 मार्च, 1978 तक या जब तक पद को नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो पहल हो, बढ़ाया जा सका है।

बी० पी० चावला
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 3-21/74-प्रशासन—श्री जसवन्त राय मल्होत्रा को, जो कि सैन्य लेखा महानियंत्रक के कैडर में रक्षा सेवा लेखा के स्थाई लेखा अधिकारी है, 26 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण देहरादून में आगामी आदेश तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

श० पालित
मुख्य संयोजक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/76-प्रशा०-16781—इस कार्यालय की दिनांक 5 दिसम्बर, 1975 की समसंबंधित अधिसूचना में आंशिक संशोधन करके, इस प्रभाग के ड्राफ्ट्स-मैन 'सी०' श्री ए० एल० मरस्वते को नियुक्ति इसी प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० थी०' के पद पर अस्थायी रूप से की जाने की तारीख 1 अगस्त, 1975 के स्थान पर 2 अगस्त, 1975 पढ़ी जाए।

बी० बी० थाटे
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० क्रमनि०/2/1(1)/77 प्रशा०/1769—निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी निदेशालय के श्री वजीर चन्द, मुख्य भंडारी को प्रभारी, सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से दिनांक 9-9-1977 से 13-1-1978 तक नियुक्त करते हैं।

सं० क्रमनि०/2/1(1)/77-प्रशा०/1775—निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी निदेशालय के श्री आर० सी० नय्यर, भंडारी को प्रभारी, सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से दिनांक 3-12-1977 से 13-1-1978 तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

केन्द्रीय कार्यालय

मुम्बई-400039, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/16/3/73—इस कार्यालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० आर० रेगे को, उनका तबादला भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में हो जाने पर, 15 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से कार्यन्मुक्त कर दिया गया है और उन्हें 46 दिन की अर्जित छुट्टी इस निर्देश के साथ दी जा रही है कि वे छुट्टी की समाप्ति पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करें।

आर० वीराराघवन,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० एस० मलिक, सहायक तकनीकी अधिकारी को, जो कि इस समय निदेशक रेडियो निर्माण और विकास यन्निट, नई दिल्ली के कार्यालय में 22-9-1977 पूर्वाह्न से तदर्थे आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में काम कर रहे हैं, 7-11-1977 से तथा अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री एम० ए० बेण्गोपाल तकनीकी अधिकारी को जो कि इस समय जाम्बिया में प्रतिनियुक्ति पर है, 1-11-1977 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियमित आधार पर, प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

सं० ए० 32013/11/77 ई० सी०—राष्ट्रपति ने तदर्थे आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में काम कर रहे निम्नलिखित 14 तकनीकी अधिकारियों को 1-11-1977 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एन० आर० स्वामी	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग हैदराबाद।

1	2	3
2.	श्री बी० के० खड़ेलवाल	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता।
3.	श्री एस० के० सरस्वती	निदेशक, रेडियो निर्माण, और विकास एकक, नई दिल्ली।
4.	श्री एस० पी० हरदास	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी।
5.	श्री बी० एन० एम० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद।
6.	श्री बी० के० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
7.	श्री एस० कृष्णास्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
8.	श्री सुशील कुमार	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय (मुख्यालय)।
9.	श्री जे० बी० शर्मा	धीरोय कार्यालय, बम्बई।
10.	श्री आर० के० सूद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, हलाहालबाद।
11.	श्री ए० जी० नरसिंहा	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
12.	श्री एम० एम० पोलोज	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
13.	श्री ए० जगदेशन	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
14.	श्री के० सुरेन्द्र	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम।

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/5/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एल० आर० गर्ग, वरिष्ठ संचार अधिकारी को 9 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर रिक्त स्थान उपलब्ध रहने की तारीख तक तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक संचार (परिचालन) के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

संस्था देव शर्मा,
उपनिवेशक प्रशासन,

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 1/425/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसु को अल्प

कालीन रिक्त स्थान पर 21-10-77 से 21-11-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

प० कि० मो० नाथर,
उपनिदेशक (प्रशासा)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहरणिय,
इलाहाबाद दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 26/1977—सीमाशुल्क निवारक मण्डल, गोरखपुर में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के पद पर तैनात श्री ए० पी० श्रीवास्तव अपनी सेवा-मुक्ति के पहले की छुट्टी समाप्त करने के बाद दिनांक 31-10-77 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से सेवामुक्त हो गए।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

संख्या 30/1977—स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक श्री हरभजन लाल, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर में तैनात थे और उनकी नियुक्ति स्थानापन्न तोर पर इस कार्यालय के पृष्ठांकन पर संख्या 11-145-स्था०/75/44772, दिनांक 23-9-77 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 1/ए/355/77 दिनांक 23-9-77 के अनुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन मान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के परीक्षक वर्ग 'ख' के पद पर की गई थी। उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 26-10-77 को दोपहर के पहले परीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 31/1977—श्री राजेन्द्र मोहन सिंहा, स्थायी निरीक्षक (बयन ग्रेड) समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में तैनात थे और उनकी नियुक्ति स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर दिनांक 23-9-77 के अनुसार, जो पृष्ठांकन पर संख्या 11-140-स्था०/76-भाग/44626, दिनांक 23-9-77 द्वारा जारी किया गया था, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में की गई थी। उन्होंने समेकित मण्डल कार्यालय गोरखपुर में दिनांक 11-11-77 को दोपहर से पहले अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

अमृत लाल नन्दा, समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 132/77—श्री आर० डी० अश्रवाल स्थानापन्न/अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' अलीगढ़ ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क, एस० आर० पी०, अलीगढ़ के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-77 (अपराह्न) को/श्री आर० एस० सक्सेना, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अलीगढ़ को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-9-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

क० पी० आनन्द,
समाहर्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 1/338/69-ई० सी० 9—इस विभाग के स्थानापन्न वास्तुक श्री बी० एस० सोनी वार्षक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-12-77 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 27/13/76-ईसी-9—महानिदेशक (निर्माण) श्री ए० आर० दोयेफोडे, सहायक वास्तुक, संलग्न वरिष्ठ वास्तुक (परामर्श) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से स्वीकार करते हैं :—

2. 1-12-77 से इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख तक की अनुपस्थिति की अवधि पेन्शन सहित अन्य सभी मामलों के लिए 'डाइजनान' करार दी जाती है।

डी० पी० श्रीहरी,
प्रशासन उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० 23/2/77-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्षक्य की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके 31 अक्टूबर, 1977 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नाम	वर्तमान पद नाम
(सर्वश्री)	
1. जी० बी० मलकानी कार्यपालक, इंजीनियर (सतर्कता), केन्द्रीय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली।	
2. आर० डी० मिस्ट्री कार्यपालक इंजीनियर, बम्बई केन्द्रीय मण्डल-1 केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, बम्बई।	

स० स० प्रकाश राव,
प्रशासन उपनिदेशक

मध्य रेल
प्रधान कार्यालय
कार्मिक शाखा
बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० एच० पी० बी० 220-जी०/ 11/ श्रोड—निम्न-
लिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी II)
को उनके नाम के सामने दिखायी गई तारीख से उसी पद
में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी वो की सेवा में स्थायी- करण की तारीख
श्रीबी० एस० आर० मूर्ती	22-3-1977
श्री व० सु० चेलप्पा	22-3-1977
श्री व्हा० प्र० श्रीवास्तव	22-3-1977
पी० आर० पुसालकर, महाप्रबंधक	

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनो कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोयम्बतूर स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास 6, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 5178/560/(5) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोयम्बतूर स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

सी० अच्युतन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होम प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 869/560 (3) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर होम प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अजंत मेच स्कूस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5431/560 (5) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अजंत मेच स्कूस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हंडिया एवर कूलरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5442/560 (5) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हंडिया एपर कूलरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० वि० एस० चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-9, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5735/560 (3) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० वि० एस० चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजम चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 6687/560 (5) / 77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राजम चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशम,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टरलिंग इंजिनीयरिंग एण्ड ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बालियर, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 873/टक/164—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टरलिंग इंजिनीयरिंग एण्ड ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

जसराज बोहरा,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, बालियर

प्ररूप आई०टी०एन एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए-144/ सिलचर/77-78/1234-48—

यतः मुझे, एडवर्ट सिंग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० पता सं० 637 दांग सं० 5882,
5883 और 5879 मे० है तथा जो मौजा सिलचार सहर परगना
बारक पार, आसाम मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे०
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे०
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी
करने या उससे बचने मे० मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे०
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमत माधवी दत्ता,
स्वर्गीय मनिन्द्र संकर दत्ता,
संकर भवन, हृष्टपाल सड़क सिलचार ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कांशीराम जैन, स्वर्गीय शिउ नारायण जैन
का पुत्र,
2. श्री हनुमान प्रसाद जैन, श्री कांशीराम जैन का
पुत्र,
3. श्री ओम प्रकाश जैन, श्री कांशीराम जैन का पुत्र,
4. श्री अजाय कुमार जैन, श्री कांशीराम जैन का
केवर/आफ मैसर्स ईस्टिल ट्रेलर्स, अस्पताल, सड़क,
सिलचार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आमेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित
मे० किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क मे० परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया है ।

अनुसूची

गोदाउन सकल का मकान का परिमाण 3,000 वर्ग फिट,
जो कि मौजा सिलचार सहर, परगना बारपार, जिला काछाड़,
आसाम प्रदेश मे० स्थित है ।

एडवर्ट सिंग,
सक्रम अधिकारी
तारीख : 9-1-78.
मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, शिलांग.

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-1-1346 (620)/2-1/
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीब,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 96/1, प्लाट नं० 165, है, जो चामूंडा
कृष्ण, प्लाट नं० 165, मणिक परा, अमरेली, में स्थित है (और
इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1901 (1908 का 16) के अधीन 2-5-76 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
एक्षण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री कडीया चन्द्रकांत कडवा भाई, टैक,
2. श्री कडीया भानजी भाई, कडवा भाई टैक,
3. श्री कस्तूरबेन सुन्दरजी, टैक, अमरेली ।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री लुहार मनमुखलाल परखोत्तम दोविया,
2. श्री लुहार मणीलाल परखोत्तम दोविया, चामूंडा
कृष्ण, 165 माणेकपरा, अमरेली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।एष्ट्रोकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 'चामूंडा कृष्ण' के नाम से प्रख्यात है
तथा जो 711 बर्ग भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 96/1,
प्लाट नं० 165 है तथा जो 165, माणेकपरा, अमरेली में स्थित
है तथा, जिसका पूर्ण वर्णन 2-5-77 वाले बिश्री दस्तावेज नं० 749
में दिया गया है ।

तारीख : 30-12-77

मोहर :

एस० जी० परीब,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-I-1293 (621)/10-1/
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेनं० 171 तथा 172, है, जो वेरावल, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 3-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसी उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवार्तु:—

(1) 1. श्री पटनी अलारख हुसेन, भोडा, बहारकर, वेरावल,
डिस्ट्रीक्ट : जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्री भावना को० श्राप० हाऊर्सिंग सोसायटी, लि० की और से प्रमुख :—
श्री आसनदास जेठानन्द कुमारी, वेरावल.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खेती बाजी वाली जमीन जिसका, कुल क्षेत्रफल 11737 वर्ग गज है तथा जो वेरावल में स्थित है तथा जिसका सर्वेनं० 171 तथा 172 है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 3-5-77 वाले दस्तावेज नं० 988 में दिए गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम अधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 30-12-77.

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1339/(622)/16-6/
77-78—पतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 374, प्लाट नं०-5 है, जो मावड़ी प्लाट
राजकोट में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 'राजकोट,'
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 11-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाहत:—

(1) (i) श्री किशनचन्द्र जमनादास भाई पीरवाणी
(ii) श्री रमेशचन्द्र जमनादासभाई पीरवाणी,
(iii) श्री पहलाज जमनादासभाई पीरवाणी, भक्ति-
नगर स्टेशन-प्लाट-2 राजकोट

(अन्तरक)

(2) मसर्स सौराज्जु ट्रेडिंग कं०, की ओर से भागीदार :—

(i) श्री भूपतलाल धनजी भाई ताना,
(ii) श्री चन्द्रकांत धनजी भाई ताना,
(iii) श्री दिलीपकुमार धनजीभाई ताना, 32,
प्रहलाद प्लाट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्र
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 416-66 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा जिसका सर्वे नं० 374, प्लाट नं० 5 है तथा जो मावड़ी
प्लाट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 11-5-77
वाले विक्री दस्तावेज नं० 958 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 30 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस० —————

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० आर ए सी/ 175/77-78—अतः मुझे, के०एस० बैंकट रामन

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मलगी नं० 15-1-6/1 है, जो नैजामशहू रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1977 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्टिनियम, या धनकर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः यह, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्टि :—

(1) श्रीमती लीलाबाई पती शंकरलाल अशवाल, घर नं० 15-1-1 उसमान गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्राह्मण्य जैन, पति वम्मराज जैन, घर नं० 15-6-614 सोई अम्बर बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-घट किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 15-1-6/1, जिसकी विस्तार नं० 38 वर्ग यार्ड नैजामाशाई रास्ता, उसमानगंज के सामने हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1150/77 रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० बैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1978.

मोहर :

प्रलेप प्राइंट टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 176/77-78—यतः मुझे, के०
एस० बैंकट रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तर बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 206, 207, 208/14 है, जो टी० फी० जगा
तीरुपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपती में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-5-1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री एम० मुनास्वामी रेडी, पिता धीनविनक टेशम
रेडी-382 बनडाला तीरुपती।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गनुमपेटा सुबारतनम्मा, पती श्रीशाजारेडी
घर नं० 81, नद्दु बीडी तीरुपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसू ती

सम्पत्ति नं० 206, 207 और 208 टी० एस० नं० 4454/2
और 4453/2, पुराना वार्ड नं० 11 और नया वार्ड नं० 14 टी० फी०
काजण तीरुपती में धीतुर धीला रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं०
820/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपती में।के० एस० बैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख: 11-1-1978.

मोहर:

प्रश्न नं ३० टी० एन० एस०—
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269प्र(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 177/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-11-1079/1 है, जो मिरची कम्पौड नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन 27-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसूचना में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3-436/77

(1) श्री प्रानलाल पिता करसनजी, गुजराती होटल में रहते हैं, नैजामाबाद।
 (अन्तरक)

(2) सरस्वती विश्वा बृद्धनाना भावमुक्तेटी चलाने वाले श्री० एम० एस० यादगीरी आचायुल, घर नं० 3-1-51 दयानन्द बाजार, नैजामाबाद।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-11-1079/1 मीरची कम्पौड नैजामाबाद, रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1978.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी. एन. एस. ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 178/77-78—यतः मुझे, के० एस० बैंकेट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 231, 232 ए० डी० रास्ता है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाथद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्त हूँ:—

(1) स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 111-सरोजिनी देवी रास्ता, सिकन्द्राबाद।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती विभा भंडारी, घर नं० 11-3-3/11/2, उत्तर नहरू नगर, सिकन्द्राबाद,।

(अन्तरिती)

(3) भारत हैवी इलेक्ट्रीकल स लिमिटेड, हैदराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यपालियां करता हूँ।

वह उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवधः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अनोद्दस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्बोधरम् :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-व में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होता, जो उक्त अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 231 और 232, दूसरा मंजिलपर, चन्द्रलोक घर नं० 111, सरोजिनी देवी रास्ता, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं० 797/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० बैंकेट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, हैदराबाद.

तारीख : 11-1-1978.

मोहर :

प्राकृत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 179/77-78—पतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 323 है, जो एस० डी० रास्ता, सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम:—

(1) स्वास्तीक कंस्ट्रक्शन कम्पनी, 111 एस० डी० रास्ता, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० प्रातांपरेडी घर नं०-6-3-344/1 रास्ता नं० 1 बनजारा हिल्स हैदराबाद-34

(अन्तरिती)

(3) डाइरेक्टर एटामिक मिनरल्स डिवलेपमेंट डिवीजन-111 एस-डी० रास्ता सिकन्द्राबाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

कार्यालय नं०-323 सीसरा मंजिला सता पर चन्द्रालोक घर नं०-111-एस० डी० रास्ता-सिकन्द्राबाद में है, रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 798/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई०टी०एन०एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं०-१८०/७७-७८—यतः मुझे, के०
ए० वैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-11 और 12 है, जो महानकाली गली
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के आधीन 23-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपशारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राधा किशन जावीर पिता हेरीशंस जावीर घर
नं० ३६६-टी० एच० रास्ता-टॉडीयारपेट—महास
(अन्तरक)

(2) श्री बनमाला जगनीश्वरच्या-पिता-वैनकच्या-२१८४
महानकाली गली सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

(3) 1. रामधेन्द्र के० भगत (2) अम्बाभवानी (3)
राधाकिशन जावीर ३-४-११ और १२ महानकाली
गली सिकन्दराबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धर नं० ३-४-११ और १२ महानकाली गली सिकन्दराबाद
रजिस्ट्री की गई है बस्तावेज नं०-७७०/७७ उप-रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।

के० ए० वैकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 11 जनवरी 1978
मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद
अहमदाबाद दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1390 (629)/16-6/
77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 433-1 पैकी, प्लाट नं० 127 है, जो सरदार
नगर, टैगोर मेन रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1916 का 19) के अधीन दिनांक 11-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः थब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृष्णकुमार सिंहजी जनकसिंहजी, की ओर से
पावर आफ एटारनी होल्डर, श्री जनकसिंह जी चन्द्र-
सिंह जी, राजपाल, ता० वडवानी सिटी

(अन्तरक)

(2) (i) श्री जमनादास हरीलाल
(ii) श्री चिमनलाल हरीलाल, श्री सत्यकुंज, सरदार-
नगर टैगोर मेन रोड राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "सत्यकुंज" के नाम से प्रञ्णात है
तथा जो 600 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, तथा जिसका सबे नं०
433-1, पैकी प्लाट नं० 127 है तथा जो सरदार नगर में टैगोर
मेन रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 11-5-77
वाले बिक्री दस्तावेज नं० 959 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक: 13-1-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1360 (630)/1-1/77
-78—यतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 173-2-2 पैकी एफ० पी० नं० 200-1, 200-2 पैकी-एस० पी० नं० 5 है, जो प्रोपोज़ टी० पी० एस-23 आचार-साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 27-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (I) मिस्ट्री बबल्दास विभवन दास,
(II) श्री नटवरलाल बबलदास, साबरमती, रामनगर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) जी० एस० विलाखू एन्टरप्राइज़ज की ओर से भागीदार श्री गुह्देवसिंह विलखू तथा अन्य, 12 घोषा सोलायटी, सरदार पटेल—इन्स्टीट्यूट तथा ड्राइव-इन-सिनेमा के सामने, थलतेज—रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1050-8 वर्ग मीटर भूमि पर शेष है; तथा जिसका सर्वे नं० 173-2 पैकी है तथा जिसका एफ० पी० नं० 200-1, 200-2, सब प्लाट नं० 5 है तथा जो प्रोपोज़ टी० पी० एस-23, आचार-साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० पारीख
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 13 जनवरी 1978

द्वाहर : _____

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प(1) के भ्रष्टीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 दिसम्बर 1977

मिदेश सं० सि० आर० 9450/77-78 अर्जन (वि) —यतः
मुझे जे० एस० राव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-प(1) के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खाली जमीन नं० 12/3 ए है तथा जो कारेतिम्मन-
हृष्टिल, अखलकहूँ रोड, मैसूर रोड क्रास-बैंगलूर में स्थित है और
इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन दवानं० 6, 1977-
78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) देते किसी प्राय या किसी प्रति या प्रत्यय प्राक्षियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-प की
उपचारा (1) के भ्रष्टीन निम्नलिखित अधिकारों, प्रतिः—

1. मौ० सत्यंकराट्रेडर्स नं० 45, दैरसंद्रा रोड तिलकनगर,
बैंगलूर-11 अधिकारस्थ श्री एस जी० सत्यनारायण
राव।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० वेंकटरायप्पा रेडि। वेंकटरायप्पा शेट्टी के
पुत्र। ब्यापारी, गुलूर। बागेपल्ली तालुक कोलार
जिला) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रष्टन के लिए
कार्यालयियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रष्टन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में प्रथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 6/77-78 दिनांक 1-4-77
खाली जमीन नं० 12/3ए, करितियनहल्ली, बैंगलूर ।
सीमाएं और विवरण :
जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।
दू० आ० नं० 6/77-78 बसवनगुह्णि रजिस्ट्रीकर्ता ।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1977
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 9451/77-78 अर्जन (बि०)—
यतः मुझे जे० एस० राव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं० कार्पोरेशन नं० 103 प्रकाश निलय (शंकर पार्क) है, तथा जो शंकर म० रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि/बंगलूर/द० वा० नं०—4/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एच० एच० अभिनव विठ्ठलातीर्थ महास्वामी, जगदगुरु-श्री शारदापीठ। श्रिगेरी।
(अधिकार पत्र प्राप्त) श्री के० कृष्ण भट्ट के द्वारा प्रतिनिधित। श्रिगेरी। शिवमोगा डिस्ट्रिक्ट।
(प्रन्तरक)

(2) श्री बी० एम० बारकानाथा वि० एल० सुब्रद्य मूर्ति के पुत्र नं० 105, प्रकाश निलय' शंकर पार्क / शंकर मठ रोड। तवांकरपुरम। बंगलोर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4/77-78 ता० 1-4-77)
स्वती नं० 103 शंकर मठ रोड/बंगलूर-4

पूरा विवरण:—जैसे दस्तावेज नं० 4/77-78 में दिखाया गया है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता बसवन गुडि के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक: 20-12-77

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

अर्जन बी निर्देश सं० सि० आर० 9517/77-78:—यतः, मुझे, जै० एस० राब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 206/45, पयालेस अप्प आर्चेड, एक्सटेन्सन है, तथा जो बंगलौर-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर/बंगलूर द० बा० नं० 109/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—436GI/77

1. श्री वि० वि० सुप्रमणि/दि०/वि० एस० बेंकटेश्वर अग्न्यर पुत्र के न० 8, एल० एस० रोड, कलकत्ता-17। अभी, नं० 28, आर्च विश्वप मथियास अबेन्यू, मद्रास-28, श्री वि० एस० राजलू (जि० पि० ओ० होल्डर) के द्वारा प्रतिनिधित्र।

(अन्तरक)

2. श्रीमती/ संगीत सिंधू अशोक सिंधू की पुत्री नं० 208-अग्न्यर प्यालेस आर्चेड। बंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीमाएं, विवरण, और विस्तीर्ण दस्तावज नं० 109/77-78 तारीख 14-4-77, मैं दिखाया जैसे, और रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्री हो गया है।

जै० एस० राब,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 22-12-1977

मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 22-दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 62/9672/77-78—यतः मुझे
जे० एस० राब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 176, डिफेन्स आफिसर्स कालोनी,
इंदिरा नगर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर द० वा० नं० 35/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-4-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. ले० का० ए० डब्ल्यू० सुनिता, नं० 475, पहली स्टेज
इंदिरा नगर, बंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वलसा मुंध्यू, श्री जार्ज मेंध्यू की पत्नी, बारटन
कोर्ट, महात्मा गांधी रोड, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 35/77-78 तारीख 6-4-77)

जमीन विस्तीर्ण, विरण और सीमाएं। जैसे द० वा० नं० 35
में दिखाया गया है, और जो शिवाजी नगर रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राब,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III,

4/14 क, असफलीमार्ग नई दिल्ली ।

दिल्ली-1 तारीख 10-1-1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/267/77-78/

5064—अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या ए०-२/१३७ है तथा जो सफदरजंग निवासी स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया तजाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री आर० सुबरामनीयम, सुपुत्र श्री आर० राजगोपाला आद्यर, निवासी 17, मुनुस्वामी मुदालियर एवंत्यु, कांचीपुरम (तामिल नाडू)

(अन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण मोहला, सुपुत्र श्री द्वावारका नाथ मोहला, सुशील मोहला तथा श्री अरुण कुमार खमा, सुपुत्र श्री बाल कृष्ण मोहला, निवासी ए०-२/१३७, सफदरजंग एनकलैव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 137, ब्लाक नं० ए०-२ है, सफदरजंग निवासी स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	रोड़
पश्चिम	लेन
उत्तर	मकान नं० 136
दक्षिण	मकान नं० 138

ए० एल० सूद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10-1-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज III, दिल्ली-1

दिल्ली-1 दिनांक 10-1-1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/266/77-78/
5064—अतः मुझे ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एस०-41 है तथा जो जनता मार्किट, राजोरी गाड़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनतारीख 4-5-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जसवन्त सिंह, सुपुत्र श्री उशनाक सिंह, निवासी रोड़ नं० 43, कोठी नं० 38, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. किमती लाल तथा श्री सोम नाथ सुपुत्र श्री सरदारी लाल, निवासी 3726, मोहल्ला शाहगंज, अजमेरी, गेट, दिल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० एस०-41 है, जनता मार्किट, रोजौरी गाड़न, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	रोड़
पश्चिम	सर्विस लेन
उत्तर	जायदाद नं० एस०-42
दक्षिण	जायदाद नं० एस०-40

(ए० एल० सूद)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/265/77-78/5065—अतः मुझे ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 52/22 है तथा जो रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्वी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27-7-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अनिल कुमार, महाजन सुपुत्र श्री चमन लाल महाजन, निवासी एन०-17, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री हन्द्र कुमार मलहोत्रा सुपुत्र श्री गिरधारी लाल मलहोत्रा,
(2) श्री सत पाल गुलाटी सुपुत्र श्री किशन चन्द गुलाटी,
(3) श्री केवल कृष्ण मनचन्दा, सुपुत्र श्री फतेह चन्द मनचन्दा (4) श्री रामेश राम चन्द्रा लोकेश्वर सुपुत्र श्री राम चन्द्र वेंकटारमन लोकेश्वर (4) श्रीमती शशी प्रभा, पत्नि श्री राम मूर्ति भारद्वाज, सभी निवासी 8095/52/22, रामजस रोड, डल्लू ६० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

(3) हन्द्रजीत कुमार (2) श्री सत पाल गुलाटी (3) केवल कृष्ण मनचन्दा (4) श्री रामेश रामचन्द्र लोकेश्वर (5) श्रीमती शशी प्रभा भारद्वाज
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एप्लाईकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के अन्य परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 252.80 वर्ग फैटल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 52/22, मुन्यसिपल नं० 8095 है, रामजस रोड, डल्लू ६० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में है।

अमृत लाल सूद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 10 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली भार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 11 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस आर-III/73/
जुलाई-1 (14)/77-78—प्रतः मुझे ज० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के मध्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 57 है तथा जो गोलफ लिक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के मध्यीन दिनांक जुलाई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के मध्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के मध्यीन निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात्:—

(1) श्री बी० एस० मूद, सुपुत्र श्री नन्द लाल, निवासी 17, टालस्टाई मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० श्रातमा स्टीलस प्रा० लि०, 201 अन्सल भवन, 16, कास्टरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति अंदर द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही प्रयोग होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिला पक्की बिल्डिंग जोकि 1373. 4 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट नं० 57, ब्लाक नं० 10 पर बनी हुई है, गोलफ लिक्स, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर-पूर्व—प्लाट नं० 58, ब्लाक नं० 10

उत्तर-पश्चिम—सर्विस रोड़

दक्षिण-पश्चिम—प्लाट नं० 56, ब्लाक नं० 10

दक्षिण-पूर्व—रोड़

ज० एस० गिल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 11 जनवरी 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राज अहुजा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती शोभा कुमार

269ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तररिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ल०-I/2011-39/अप्रैल-77—अतः मुझे
एफ० जे० फन्डीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 769 (अंश) है तथा जो भूलाबाई बेसाई रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यालयां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथान्विषयित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

एफ० जे० फन्डीज
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इकाला I, बम्बई

दिनांक: 19 दिसम्बर 1977

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री पी० बेलायुतम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज II मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाहियां करता है।

दिनांक 3 जनवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निदेश सं० 4263/एप्रिल/77—यतः मुझे, के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिस की एस० सं० 283 कोयम्बतूर तालुका, कुनियमुत्तूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर II कोयम्बतूर 'डाकुमेण्ट 295/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित महीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बतूर तालुका, कुनियमुत्तूर गांव में 3.79 1/2 एकड़ जिसका एस० सं० 283।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के मनुस्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० वेलायुतम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विजयकुमार

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज II मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

दिनांक 3 जनवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

निदेश सं० 4263/अप्रैल/77—प्रतः मुझे, के० पोशन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अधिधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिस की एम० सं० 282/1 और 283, कुनियमूतूर गांव, कोयम्बतूर (3 79 1/2 एकड़) में स्थित है (और इससे उत्तरदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के हार्डिनिय, जै० एम० आर० II कोयम्बतूर 'डाकुमेण्ट 296) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 1.5 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क म परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य मासितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशीजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बतूर तालुका, कुनियमूतूर गांव में 3.79 1/2 एकड़ (एस० सं० 282/1 और 283)

के० पोशन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

मोहर :

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

5-436 GT/77

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II

मद्राय, दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० 4279/प्रत्रैल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है रो अधिक है

और जिप की सं० कोपम्बतूर और नेकलारा स्ट्रीट सं० 2, डोर सं० 22/20 ए मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), राज्यस्त्रोत्तरी अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर III कडलूर (डार्नमेण्ट 815/77) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय पा निमो घा या अन्य आस्तियो को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती टी० जे० लक्ष्मी ग्रम्माल; (2) टी० जे० सुगुना; (3) टी० जे० कम्बन; (4) टी० जे० रामचन्द्रन; (5) टी० जे० मोहन, (9) टी० जे० वीजपराधवन (मैनर) (7) गोकिलवानि (मैनर) (अन्तरक)

(2) श्री एन० रंगनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंवंध मे कोई भी आओः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सवंधी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख मे 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे ममाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा नक्गे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, वे अध्याय 20-क मे परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

कोपम्बतूर, और नेकलारा स्ट्रीट सं० 2, डोर सं० 22/20 ए मे भूमि और सकान (टी० एस० सं० 5/295) ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 3 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़

काकीनाड़ा, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

मं० 539—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 33 और 34 है, तो पोतलंका में रिप्ट है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्ति भी से श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालिय, भट्ट प्रोलु मे भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 मई 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक है स कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपान में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों अधिकारी :—

(1) श्री पि० सूर्यनारायण (2) पि० कृष्णमूर्ति
(3) पि० दुर्गाप्रियाद (4) पि० भास्करराव
(5) पि० अनंद मोहनराव, विजयवाडा।
(अन्तरक)

(2) श्री के० गोपालाश्टम्या पोतलंका।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितशब्द किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

ल्पष्टीकरण :—इसे प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

भट्टप्रोलु रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 15-5-77 मे पंजोक्त दस्तावेज नं० 350/77 मे निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

दिनांक : 30-12-77

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा
दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० नं० 537—इयतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० एस मिल नं० 161 है, जो मोपिदेवि में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय चलपत्ती में भारतीय
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रदर्शन
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० कुष्टण सरस्वतमा (2) जी० साईकुमार
(3) जि० सत्यवती देवी (4) एन० कमला तुलसमा
(5) वि० विजय कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री के० भवानी संकर प्रसाद (2) के० सुसीलादेवी
(3) वै० चिदानन्द जैसूरथम (4) वै० पद्मनाभराव
(5) के० वेंकटासुभ्वाराव

(अन्तरिती)

4, जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके
वारे में अधीस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व
किसी श्रन्द व्यक्ति द्वारा, अधीस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रत्यक्षी

चलपत्ती रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 749/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पि० कोदनडरामाराव (2) पि० श्रीनिवासा
नरसिंगराव (3) पि० मुरली छट्टण, विसाखपटनम
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा

(1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

स० 538—यतः मुझे एन० क० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिस को म० 22-1-16 है, जो वैजाग में स्थित है (और इसे उपाध्याद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, विसाखपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन दिनांक 5 मई 77 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

विसाखपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1188/77 में निर्गमित अनुसूची संपर्की

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एन० क० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज काकीनाडा

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 30 दिसम्बर 1977
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निदेश नं० 610 ए०/ अर्जन/ मु० नगर/ 7778:—अतः,
मुझे आर० पी० भार्गव
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुडाना में, रजिस्ट्रोकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख प्रैल,
1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के प्रत्युत्तर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जवर दीन एवं रघुबीर सिंह पुत्रगण कबूल निं०
ग्राम पुखालियान, परगना शिकारपुर, तहसील
बुडाना, जिला मु० नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री नाहर सिंह एवं कृपाल सिंह पुत्रगण बलबत सिंह
निवासी पुखालियान परगना शिकारपुर तहसील
बुडाना, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रबल सम्पत्ति भूमि ग्राम पुखालियान परगना शिकारपुर
जिला मुजफ्फरनगर 46,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

पोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश नं० 737 ए०/ अर्जन/ दू० शहर / 77-78 —अतः
मुझे आर० पी० भागव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो
मेरे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मेरे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रोकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर म, रजि-
स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फलाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विधिय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये।अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
मेरे अधीन सम्पत्ति अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्रीमती सुरता देवी पत्नी सत्यपाल सिंह निवासी
मेडा परगना अहमदाबाद, तहसील अनूपगढ़ जिला बुल-
दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री खूब सिंह पुत्र शिव सिंह निवासी खंडपुर परगना
स्थाना सदपुर तहसील एवं जिला बुलन्दशहर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा या।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित खरकली परगना स्थाना, जगत
अचल जिला बुलन्दशहर 48,000 रु० के विक्रय मूल्य गं
बन्धी गयी।आर० पी० भागव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश न० 736 ए०/ अर्जन/ ब० शहर/ 7778:—अतः
मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

आ: अतः उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थातः:—

(1) श्री काले सिंह, सुखराज पुत्रगण जुलून निवासी माकड़ी पोस्ट खास परगना स्थाना तहसील किला जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री भवानी सिंह, फूलचन्द, मान सिंह पुत्रगण चिरंजी लाल निवासी माकड़ी पोस्ट खास जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीनहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित ग्राम माकड़ी परगना स्थाना जिला बुलन्दशहर 30,000) के विक्रय मूल्य में बेचो गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-7-8
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 78

निदेश नं० 607 ए० मु० नगर/ 77-78/7307—अतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
में स्थित है (और इसे उपादव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) असरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
असरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की
हप्तारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रदाति:—

6-436 GI/77

(1) श्री श्रीलीजान एवं रहमान पुत्रगण कबूल निं० ग्राम
पुरबालिया परगना शिकारपुर, तहसील बुढाना,
जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मासूम श्रीली, अफसरुन, पुत्रगण मेहरबान
(दोनों अवयवक पुत्र) संरक्षक मेहरबान पुत्र
कर्म सिंह तिवासी ग्राम पुरबालियान परगना शिकारपुर
तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एप्पलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति भूमि स्थित ग्राम सुरबालियान परगना शिकार-
पुर, जिला मुजफ्फरनगर 57,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्रख्यूप ग्राइंड टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 17 जनवरी 78

निवेश नं० 738-अर्जन/बु०शहर/77-78/7307 :—ग्रतः,
मुझे आर० पी० भार्गव

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, घर्थति :—

(1) श्रीमती अफसरी बेगम बेवा महबूब अली, निः
ओरंगाबाद पोस्ट खास, परगना बरन जिला
बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री मादी पुत्र बलदेव, चन्द्रपाल, श्रीम प्रकाश, मेहीलाल
पुत्र छिदा, हुकुम सिंह गंगादास पुत्रगण हरभजन,
इतवारी पुत्र चुन्नी सिंह, रामस्वरूप पुत्र तुलसी
निवासी, मूडी बच्चापुर पोस्ट खास परगना स्थाना,
बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(अधल सम्पत्ति भूमि स्थित ओरंगाबाद परगना बरन, जिला
बुलन्दशहर 31500) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निवेदन नं० 775 ए०/ अर्जन / कानपुरे / 7778 :—अतः, मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, घाटमपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्त्ततः:—

(1) श्री मुमालाल पुत्र राम नरायन निवासी ग्राम रनिया, पोस्ट रनिया, तहसील अकबरपुर, जिला कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री महगर लाल एवं मिश्री लाल, राम प्रसाद एवं मेवा लाल पुत्र उजागर निवासी 86/3, सफेद कालोनी जूही, कानपुर

(अन्तरिती)

को, यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि ग्राम हिरनी परगना घाटमपुर जिला कानपुर, 30,000 रु०) के विकाय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

सोहर :

प्रस्तुप्राप्ति ३० दी० एन० एस०—

(1) श्री एम० पानकालाराव, राजमन्द्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक, 5 जनवरी 1978

सं० नं० 546—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 23-5-32 और 33 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 मई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री टिं. कोटेस्वर राव (2) टिं. रामबर प्रसाद (3) टिं. भुबनेश्वरराव (4) टिं. हरी प्रसाद गुन्टूर। (अन्तरिती)

(3) एच० सुब्रह्मण्यम् गुन्टूर (वह व्यक्ति जिसके अधिनोबा में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 म पंजीकृत दस्तावेज सं० 2301/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 552—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 10-1-4 है, जो गुन्दूर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन' दिनक 25 मई 1977 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती के० अन्नपूर्णसागर (2) के० मैदली (3)
केलक्ष्मया (4) के० चैतन्या (5) के० बालसुद्ध-
कृष्ण (6) के० रागवेंद्रराव (7) वि० स्वर्ण कुमारी
(8) डि० पारबतीदेवी (9) सि० एच० वेवती
(10) पि० कल्यानी (11) एम० दनलक्ष्मी गुन्दूर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० वेंकटासुब्बया नरसायपालेम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, डिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 2450/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978
मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा
काकीनाडा, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० न० 553—यतः, मुझे एन० के० नागराजन
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० 47-5-2 है, जो राजमन्दी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजमन्दी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 मई 77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री महमद वजीरुद्दीन राजमन्दी

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पानकालराव राजमन्दी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक हो,
तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वास्थ्यकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिये;

राजमन्दी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक भ्रंत 31-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 1719/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्थक्त :—

दिनांक 7 जनवरी 1978
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 7 जनवरी 1978

सं०— यतः मुझे एन० के० नागराजन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।
और जिसकी सं० 30 और 31 है, वज्रकूटम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन 15-5-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या छनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमातः:—

(1) श्री एम० गंगराजु (2) एम० भद्रम (3) एम०
सत्यनारायण (4) एम० अपाराव (5) एम०
नागन्ना (9) एम० अचार्या, कोमरगिरी
(अन्तरक)

(2) श्री डि० वेंकटाशेषाराव, चित्ताडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक अंत 15 मई 1977
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1821/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्रधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 17 जनवरी 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०-----

(1) श्री बि० लक्ष्मनराव विजयवाडा

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल अक्रम, विजयवाडा

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 555 यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 9-68-27 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

विजयवाडा रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 म पंजीकृत दस्तावेज नं० 901/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिस्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भावनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

धन: प्रबृ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को प्राय 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैतुः :—

दिनांक 7 जनवरी 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्री टिं वरलक्ष्मी (2) टिं विं ए० मोहनराव,
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० बमव संकरगाव, गुडिवाड़ा

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० नं० 556—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 15/1 है, जो गुडिवाड़ा में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 मई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-436GI/77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बूद्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 941/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० नं० 557—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

मौर जिसकी सं० 321 और 322/2 है, जो मैलवरम में स्थित है (मौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन 20 मई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

(1) श्री वि० रामकृष्णाराव (2) वि० लक्ष्मीनारायण
(3) वेंकटा भुखीधरराव (4) रामचन्द्रराव (5) वेंकटा विस्तुवदेनराव (9) सूर्यनारायण, वेलेवडम।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री अद्वा एडुकोन्डमु (2) अद्वा श्रीनिवासराव, थोलंकोन्डा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वार्थोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मैलवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 525/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

दिनांक 7 जनवरी 1978
मोहर:

एन० के० नागराजन
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०

(1) श्री पि० दक्षिणामर्ती, सेनाली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टि० वि० पुरुषेत्तमराव, विजयवाडा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 559—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थाष्टर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिस की सं० 27 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे
उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रेकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन, 30 मई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थाष्टर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1278/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्तिएन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडाअतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ए के अनु-
सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवर्ततः—दिनांक : 9 जनवरी 1978
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 560—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/24 है, जो निडमनरू० मे० स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) (1) श्री एन० कुटंबराव, (2) श्री एन० पुर्णचन्द्राराव विजयवाडा
(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटा सुब्बाराव (2) श्री एस० भारती निडमनरू०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभा० षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1324/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9 जनवरी 1978
मोहर :

प्रत्येक ग्रामीण टी० एन० एस०-----

ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामीण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 591 -यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 15/मांचवरम वार्ड है, जो मचलीपटनम में
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई निसो आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामीण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्व श्री के० श्री रामलू, के० वेंकटा गंगाधर प्रसाद
राव, के० वेंकट सत्यनरसिंहाराव, मचलीपटनम
(अन्तरक)

(2) श्री जि० कुष्ठण, मचलीपटनम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्तान्तरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1320/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति
मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रामीण अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 562—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो मचलीपटनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक -5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वे श्री के० श्रीरामुल, (2) के० वेंकट गंगाधर प्रसाद राव (3) के० वेंकटकृष्णन सत्यनरसिंहाराव मचली पटनम।

(अन्तरक)

(2) श्री पि० लक्ष्मी गनपतिराव, मचलीपटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1321/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति मिसनरी के साथ।

एत० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा
दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 563—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 15, नई वार्ड है, जो मच्चीपटनम में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मच्चीपटनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 'में' महीने में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित के लिये स्थायी गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० श्रीरामलू, (2) के० वेंकटा गंगाधर प्रसाद राव,
(3) के० वेंकट कृष्ण सत्य नरसिंहाराव, मच्चीपटनम।

(अन्तरक)

(2) श्री जि० एस० ए० सांबसिवराव मच्चीपटनम
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मच्चीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1322/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति
मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रलूप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 564— यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 15/नईवार्ड है, जो मचलीपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 'मे' महीन में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रबन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० रामलू, (2) के० वेंकट गंगाधर प्रसाद राव
(3) के० वेंकट कृष्ण सत्यनरसिंहाराव, मचलीपटनम
(अन्तरक)

(2) श्री जि० मुत्युनजय नाग कृष्ण विठ्ठल, मचलीपटनम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1323/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख: 9-1-78
मोहर:

अर्जन रेंज, काकीनाडा

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अंख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 565—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/नई वार्ड है, जो मचलीपटनम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन "में" महीने में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रह को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 अंख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्:—

8—436GI/77

(1) श्री के० श्रीरामलू (2) के० वेंकटगंगाधर प्रसाद राव
(3) के० वेंकटा कृष्णसत्यनरसिंहाराव मचली-
पटनम। (अन्तरक)

(2) श्री पी० लक्ष्मी रामाचन्द्रशेखर, मचलीपटनम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाबिह्या करता हूँ।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1324/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

मोहर:

प्रस्तुत थाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निदेश नं० 732 ए० / अर्जन/ बुलन्दशहर/7778:—अतः
मुझे आर० पी० भार्गवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो

में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—(1) श्री अब्दुल मस्ता पुत्र फैयाज [खान श्रीमती सजदा]
खातून पत्नी शर्मीमुद्दीन निं० अकवर पुर मोक्षा परगना
अगौता पोस्ट मुलापड़ी बुलन्दशहर।
(अन्तरक)(2) श्रीमती अरणदी देगम पत्नी फिरोज अहमद खान
निवासी, अकवरपुर मोक्षा परगना एवं जिला बुलन्द-
शहर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

त्वचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमुस्तव्य

अचल सम्पत्ति भूमि ग्राम अकवरपुर मोक्षा जिला बुलन्दशहर
800) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निवेश नं० 644 ए / अर्जन/ गान्धाव / 7778 —अतः
मुझे आर० पी० भारत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 । को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती भूदेवी पत्नी बलबीर मिह निवासी ग्राम एवं पोस्ट सप्नावत परगना डामना जिला गाजियाबाद वर्तमान पता 1291 व्यारे लाल शर्मा रोड मेरठ (ग्रन्तरक)

(2) श्री रामपाल सिंह राना पुत्र अर्जुन सिंह निवासी ग्राम एवं पोस्ट सप्नावत परगना डामना जिला गाजियाबाद । (अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मार्क जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित भ्राम गपतात्रत परगना डामना जिला गाजियाबाद 45,000) के विक्रय मूल्य येबेची गयी ।

श्री० पौ० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 17-1-78
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जिं वेंकटराव, विसाखपटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 568—यतः मस्ते एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 7-136 है, जो बोब्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्सा अधिकारी के कार्यालय, बोब्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-77 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविनियों, प्रथातः:—

(1) श्री सी० एच० चिनगोपालराव पिरिडि।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

बोब्ली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 1781/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 569—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिस की सं० 10-30-31 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, विजयवाडा म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

(1) श्री इनदूरी पूर्णचन्द्राराव (2) इनदूरी चन्द्रसेकर, विजयवाडा ।
(अन्तरक)

(2) महेष ट्रस्ट विजयवाडा
(अन्तरिती)

(3) श्री जे० लक्ष्मी पति (2) के० लक्ष्मीनारायण (3) एन० श्रीरामलु (4) बि० वेंकटेस्वरराव, विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोन्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1159/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० अप्पलाराजू, काकिनाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सि० जयलक्ष्मी विसाखपटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 570—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० 1008 है, जो बालटेर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, सिसाखपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किये जा सकेंगे।एप्लीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

विसाखपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पार्श्वक अंत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1525/77 में निगमित अनुसूची संपत्तिएन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडाप्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टवृत्त:—तारीख : 9 जनवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती सूर्योदेवर वरतक्ष्मी, गुडिवाडा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 571—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9/139 है, जो गुडिवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री आर० सामाज्यम (2) आर० बाबूराव (3) आर० मंजुलादेवी (4) आर० वेंकटोसाबसिवराव (5) आर० वेंकटा लक्ष्मी कुमारी; गुडिवाडा।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 954/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज काकीनाडा

तारीख : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा
काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 572—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 309/2 है, जो वीरधट्टम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकुलम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

(1) श्री के० जगनमोहनराव (2) श्री के० रामप्रसादराव
(3) श्री के० मनमहाराव (4) श्री के० रामाशुभ्र
वीरधट्टम।
(अन्तरिक्त)

(2) श्री अडपामोहनराव (2) श्री एन० भुजंगराव (3)
श्री एन० मनमदाराव (4) एन० अपलास्वामी, वीरधट्टम
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्रीकाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1539/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

(1) श्री पि० दक्षनामुर्ती तेनाली

(अन्तरक)

(2) श्री टि० राजराजेश्वरी विजयवाडा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 558—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके, पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पात्रिक अत 31-5-77 में जीकृत दस्तावेज नं० 1279/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

यतः यत्, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पण:—

9-436GI/77

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निदेश सं० ए-141/गो/77-78/1034-36—अतः, मुझे, एगवर्ट सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दाग न० 716 और 717 के पि० पता नं० 225 मौजा बलटोला, गौहाटी आसाम है तथा जो गांव जकरिगोग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्रीमती सुशीला देवी शर्मा विश्वनाथ शर्मा की पत्नी (अन्तरक)

(2) मैसर्स खेमिंकल और फारमामिउटिकलस (इन्डिया) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1 बीघा, 2 कट्टा 7½ लेचा जो कि गांव जकरिगोग, मौजा बलटोला, गौहाटी, जिला कामरूप, आसाम में स्थित है।

एगवर्ट सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, शिलांग

दिनांक : 20 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए-142/ गो/77-78/1181-85— अतः,
मुझे, एगवर्ट सिंह,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और
जिसकी सं० दाग नं० 208 के० पी० पत्ता नं० 8 मौजा
बेलटोला है तथा जो रुकमिनि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 22-6-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या दून्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

(1) श्री केङ्काई गोरा, रविगारो, रुकमिनि गांव
मौजा बेलटोला, गौहाटी (अन्तरक)

(2) राज सिंह सादना, (2) भुपिन्दर सिंह सादना (3)
असविन्दर सिंह सादना, फेन्सी बाजार गौहाटी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिग्राहक में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविस्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी दून्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2 बीघा 8 कट्टा, 5 लेचा जो कि रुकमिनि
गांव, बेलटोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी, आसाम प्रदेश में
स्थित है।

एगवर्ट सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रंजन रेंज, शिलांग

दिनांक : 29 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रूप ग्राही ० टी० एस० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

दिनांक 9 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए-143/सिलचर/77-78/1227-31—अतः
मुझे, एगबर्ट सिंहग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक हैऔर जिस की सं० ग्राम० एस० पत्ता० सं० 637, दान सं० 5882,
5883/5879 सहर, परगना बारकपार आसाम है तथा जो
सिलचर मौजा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 2-5-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री मनावेन्द्र सरकार दत्ता, स्वर्गीय मनिन्द्र सरकार
दत्ता का पुत्र, शंकर भवन, अस्पताल सड़क, सिलचर।
(अन्तरक)(2) श्री काशीराम जैन, स्वर्गीय शिउ नारानन जैन का पुत्र।
श्री हनुमान प्रसाद जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्र।
श्री ओम प्रकाश जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्र।
श्री अजोय कुमार जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्र
केर/आफ मेसर्स ईस्टिल ट्रेडर्स, अस्पताल सड़क, सिलचर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 7 काता, 2 छटाक जो कि मौजा सिलचर
शहर, परगना बारकपार, कछांड़ जिला आसाम में स्थित है।एगबर्ट सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज शिलांग

दिनांक 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जनवरी 1978

निवेश नं० 615 ए०/अर्जन/म० नगर/7778—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उत्तरवद् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुजपक्षर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देसे के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगरोशन लल पुत्र रामजी लाल निवासी ग्राम काचला, परगना कांधला, तहसील बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर सिंह, अवतार सिंह पुत्रगण गिरवर सिंह सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश, उमेश कुमार, बृष्ण कुमार संत कुमार पुत्रगण ईश्वर सिंह नाहर सिंह, पुत्र गिरवर सिंह, बृजपल पुत्र नाहर सिंह निवासीगण खुबासपुर उर्फ भखमूलपुर डाकघर खास परगना कांधला जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल संपत्ति भूमि लगभग 14 बीघा 18 विस्ता 6 विखोसी स्थित ग्राम कांधला, तहसील बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर 91913) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक, 16 जनवरी 1978

निदेश स० 651प/श्रीजन/गा०बा०/77-78—अतः मुझे आर०पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिस की सं० है तथा जो में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र मुग्धी लाल श्रीमती सुशीला देवी रजनी बाला अग्रवाल, अरविद अग्रवाल पुत्र श्रीम प्रकाश निवासीगण 143 रामसरान देहली गेट गा० बाद (अन्तरक)

(2) श्री यिजय कुमार पुत्र दक्ष कुमार निवासी कम्बल बाली गली देहली दरवाजा गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान नं० 225 स्थित मोहल्ला कन्हैया लाल पसरेह बाजार नया दरवाजा जिला गाजियाबाद 40,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर०पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
श्रीजन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-1-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन यूनियन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 7 जनवरी 1978

निर्देश सं० 201/77-78/अर्जन—यत्. मुझे, डि० सि० राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 483 ए/2 और 3 है, जो कारवार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारवार अंडर डाकुमेंट नं० 73/77-78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से लुई किसी आप की बात, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत्: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्याति :—

1. श्री मोहन विस्वनाथ कर्म्मेकर, पावर आफ आटूनि होल्डर डा० कामिनाथ, वि० बोरकेश्वरमेवर, कर्म्मा, काजुबाग, कारवार।

(अन्तरक)

2. श्री दयानन्द अलियास, शेशगिरी रामचन्द्र कामन, काजुबाग, कारवार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नाव सैनिगिरी जमीन कारवार मुनिसिपल एरिया का हृष में है। सर्वेनं० 483ए/2 और 483ए/3, फुल एरिया 12.5 शुदास और 11.5 गुटास खुल एरिया-24 गुटास।

डि० सि० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, धारवाड

तारीख : 7-1-1978

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—Shri S. K. Gupta, Registrar, Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 1 January, 1978.

The 5th January 1978

No. F.6/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri B. S. Dhawan to officiate as Deputy Registrar, until further orders.

No. F.6/15/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri H. D. Gulrajani, Assistant Registrar as Officiating Deputy Registrar with effect from 2 January, 1978 to 16 January, 1978 vice Shri B. S. Dhawan, granted leave, until further orders.

No. F.6/15/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint S/Shri A. N. Oberoi and Mahesh Prasad, Assistant Registrars as Officiating Deputy Registrars with effect from the forenoon of 2 January, 1978, until further orders.

M. P. SAXENA

Registrar (ADMN.)

New Delhi, the 2nd January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—Shri K. K. Gupta, Assistant Registrar, Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 31 December, 1977.

R. SUBBA RAO,
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 7th January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri Surender Lal, Court Master, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 6 January, 1978, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri K. Chandramouli, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 6 January, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 12th December 1977

No. P/1890-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. T. Ramasami, to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years with effect from the forenoon of 1-12-77 or until further orders whichever is earlier.

The 27th December 1977

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The following *ad-hoc* appointments are ordered in the office of the Union Public Service Commission for a period of 30 days w.e.f. 5-12-1977 or until further orders, whichever is earlier :—

- (i) Shri B. R. Gupta, officiating as Section Officer (DP) on *ad-hoc* basis, to officiate as Assit. Controller (DP) vice Km. Santosh Handa, officiating as Assistant Controller (DP) on *ad-hoc* basis, granted leave.

(ii) Smt. D. J. Lalwani, Asstt. Supdt. (Holl), to officiate as Section Officer(DP) vice Shri B. R. Gupta, officiating as Section Officer(DP) on *ad hoc* basis promoted.

The 6th January 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 30th July '77, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Assistant Controller(DP) in the Commission's office for a further period of two months w.e.f. 1-1-78 or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri M. L. Dhawan,
2. Shri J. L. Kapur and
3. Miss Santosh Handa.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 6th January 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Assistant Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (D.P.) in the Commission's office, for a further period of two months w.e.f. the forenoon of 1-1-78 or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri B. R. Gupta.
2. Shri M. M. Sharma and
3. Shri Jagdish Lal.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 2nd December 1977

No. A.32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Senior Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 30-11-1977 on purely temporary and *ad hoc* basis vice orders of even number dated the 29th September, 1977 to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period with effect from 1-12-1977 to 28-2-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 17th December 1977

No. A.12024/4/77-Admn.I.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission on the basis of the personal talk held on 17-10-1977, the Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Shri S. P. Chakravarty, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission with effect from 18-10-1977 until further orders.

The Chairman, Union Public Service Commission, is also pleased to fix the pay of Shri Chakravarty at Rs. 1740/- in the scale of Rs. 1500-60-1800 under F.R. 27, as recommended by the Commission.

No. A.19014/5/77-Admn.I.—Shri S. Balachandran, an officer of the Indian Railway Accounts Service assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 9-12-1977 until further orders.

The 20th December 1977

No. A.31014/1/77-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistant Grade of the Central Secretariat Service officiating in the Section

Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each :—

S.No.	Name,	Date of Confirmation,	Remarks.
			Since retired voluntarily w.e.f. 30-9-77.
1.	Shri B. S. Kardam,	1-12-1975,	
2.	Shri M. L. Kaushal,	1-1-1976,	
3.	Shri P. C. Gupta,	1-1-1976,	
4.	Shri R. Sahai,	1-10-1976,	
5.	Shri S. S. Nagar,	1-7-1977,	
6.	Shri R. G. Purang.	14-7-1977,	
7.	Shri M. P. Jain,	1-9-1977,	
8.	Smt. V. K. Madan,	1-10-1977,	

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 4-11-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 12-11-1977 to 29-12-1977 or until further orders whichever is earlier.

The 24th December 1977

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In partial modification of this office notification of even number dated 4-11-1977, the President is pleased to appoint S/Shri V. S. Riat and R. R. Ahir, permanent Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods 3-10-1977 to 31-12-1977 and 5-10-1977 to 29-12-1977 respectively.

The 28th December 1977

No. P/556-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 1-2-1977, the President is pleased to extend the re-employment period of Shri M. M. Thomas for a further period of one month with effect from 1-12-1977.

The 5th January 1978

No. P/1821-Admn.I.—The services of Dr. Gopal Swarup, formerly Plant Pathologist in the Indian Agricultural Research Institute and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Indian Agricultural Research Institute, with effect from 5-1-1978 (AN).

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.,

Incharge of Administration.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th January 1978

No. PF/B/3-G.—On his attaining the age of superannuation Shri D. N. Bahri a permanent/Section Officer of the Central Vigilance Commission, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

10—436GT/77

No. PF/R/19-G.—On his attaining the age of superannuation, Shri R. Ramachandran, an officiating Section Officer of the Central Vigilance Commission, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

SHRI NIVAS,
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th January 1978

F.No. A-19036/14/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoint Shri S. B. Talwar, Inspector of Police, C. B. I., Bombay Branch and an officer of Maharashtra Police State to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23-11-77.

The 9th January 1978

F.No. A-19015/2/77-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Kashyap as Section Officer in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17-12-77 till further orders.

F.No. A-19036/17/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N. C. Rishi, Inspector of Police, C.B.I., Calcutta Branch and an officer of West Bengal Police to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 29-11-77 in a temporary capacity until further orders.

V. P. PANDEY,
Administrative Officer

New Delhi, the 9th January 1978

No. A-19036/15/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Ranjit Kumar Sarkar, Inspector of Police, C.B.I., Calcutta Branch and an officer of West Bengal State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in C.B.I., Special Police Establishment with effect from the forenoon of 28-11-77 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUJ
Administrative Officer(E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 3rd January 1978

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 18-12-1977 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 6th January 1978

No. O.II-1332/76-Estt.—Consequent on his repatriation to I.B., Shri Prashant Tavgi, relinquished charge of the post of Dv. S. P. (Coy. Comdr), Directorate General, CRPF New Delhi on the afternoon of 31-12-1977.

The 8th January 1978

No. D.I.12-77-1 stt.—On his services having been replaced at the disposal of the C.R.P.F. by the I.T.B.P., Shri M. M. Thapirval is appointed as Dy. S. P. (Coy Comdi) in 35th Bn. of this Force with effect from the afternoon of 29-12-1977

The 10th January 1978

No. O.II-1071/77-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Sanku Asari Giri, IMO (GDO, Gd. I) 28th Bn. CRPF with effect from the forenoon of 3-12-1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 2nd January 1978

No. E-38013(3)/17 77-Pers.—On transfer from Baroda Shri S. P. Mulchandani, assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BIL Bhilai with effect from the afternoon of 28th November, 1977.

L. S. BISHT
Inspector General/CISF

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 6th January 1978

No. Admn.I/5-5/Promotion/0.0.598/2121.—Consequent on attaining the age of Superannuation, Shri D. B. Ghoshal, a permanent Accounts Officer of this office has retired from Government Service in the afternoon of 31st December, 1977.

His date of birth is 30-12-1919.

K. H. CHHAYA
Sr. Deputy Accountant General (Adm)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th January 1978

No. E.B.I./8-132/77-78/371.—Sri M. A. Siddiqui, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-12-1977 A.N.

Sd/- ILLEGIBL
Sr. Deputy Accountant General (Adm)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I.
WEST BENGAL

Calcutta-I, the 10th January 1978

No. Admn.I/1038-XV/3267.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Nirmal Chandra Halder, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 23-12-1977 (A.N) or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer. Sri Halder on being released of his present charge under Shri Dy. Accountant General (CA-IC), Office of the Accountant General-II, West Bengal may report to the Sr. Dy. Accountant General (Adm), Office of the Accountant General, Central for taking charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

The inter-se-seniority of the officer will be indicated in due course.

P. K. BANDYOPADHYAY
Sr. Dy Accountant General (Adm),
West Bengal

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 9th January 1978

No. Au/Admn.II/5/II—Shri M. Adaikalanay, Permanent Audit Officer of South Central Railway, retired from Government service on superannuation with effect from 31-12-1977, (Afternoon).

D. N. PRASAD
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL
OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 5th January 1978

No. 18342/AN-II—The President is pleased to appoint Shri S. Swaminathan, an officer of the India Defence Accounts Service, to officiate in the Senior Administrative Grade—Level I (Rs. 2500—125/2—2750) of that service with effect from 28-12-1977 (forenoon), until further orders.

V. S. BHJR
Additional Controller General of Defence Accounts

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 4th January 1977

No. 5/B/51/62/19A.—Shri A. B. N. Rao, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from afternoon of 31-7-1977.

V. K. S. VARADAN
Director General.

DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th January 1978

No. 4(59)/77SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Vinjamuri Lakshmi as Programme Executive All India Radio, Vishakapatnam in a temporary capacity with effect from 17th November, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 2nd January 1978

No. A.12026/7/75-Est I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films Division, Bombay to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 29th December 1977, vice Shri M. Chandran Nair, officiating Asstt. Administrative Officer, appointed as Administrative Officer

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer.
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st January 1978

No. 27-6/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. L. Nayyar, Junior Accounts Officer of the Sanchai Mantralaya, Dak Tai Board New Delhi, to the post of Accounts Officer at the National Malaria Eradication Programme, Delhi, on deputation basis with effect from the forenoon of 1st December 1977, and until further orders.

No. A.12026/3/77(CFL) Admn.I.—Consequent to the appointment of Shri Jyoti Kumar Sarkar to the post of Junior Analyst in the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 26-3-77 in an officiating capacity Shri A. Basak relinquished charge of the post of Junior Analyst held by him on *ad hoc* basis with effect from the same date.

No. A.12026/22/77(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. Dabrial to the post of Deputy Director (Library) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 29th November, 1977, on *ad hoc* basis until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Director (Library), Shri C. Dabrial relinquished charge of the post of Additional Deputy Assistant Director (Library), Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of 29th November, 1977.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M).

New Delhi, the 31st December 1977

No. A. 19019/9/77-CGIHS.I.—The Director General of Health services is pleased to appoint Dr. V. D. Gupta to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 1st December, 1977.

The 4th January 1978

No. A. 19019/21/77 CGIHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. Muthukrishnan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the forenoon of 29th November, 1977.

The 7th January 1978

No. A.19019/3/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs) Padmini Das to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of 16th November, 1977.

No. A.19019/38/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Km.) Chanda Joshi as Homoeopathic Physician on temporary basis under CGHS, Bangalore with effect from the forenoon of the 15th October, 1977.

No. A.19019/38/77 CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. K. Mishra to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt Health Scheme, Meerut, on temporary basis with effect from the afternoon of 9-8-77.

No. A 22013/1/77-CGHS.I.—On his transfer from C.G.H.S Hyderabad to C.G.H.S. Bombay, Dr. A. V. Shukla, Dental Surgeon relinquished Charge of his post at CGHS Hyderabad on the afternoon of 30th September, 1977 and assumed charge of the post of Dental Surgeon at Bombay on the forenoon of 3rd October, 1977.

N. S. BHATIA
Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURAL & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF FOOD)

NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 26th December 1977

No. Estt.3(1)/67-V 16875.—Dr. P. K. Agarwal is appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer (Bio-Chemistry) (G.C.S. class-II gazetted) now group—'B' in the pay scale of Rs. 650—1200 at the N.S.I., Kanpur with effect from 1-12-1975.

N. A. RAMAIAH
Director

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd January 1978

No. F.4-5(86)/77-A.III.—Shri R. Narasimhan, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Tirupur with effect from 30-11-77 (F.N.), on purely short-term basis, for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Narasimhan relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Calcutta in the afternoon of 19-11-77.

No. F.4-6(125)/77-A.III.—The appointment of Shri V. K. Singhal, to the post of Assistant Marketing Officer (Group III), on short-term basis for a period of 3 months with effect from 26-9-1977 (F.N.), notified *vide* this Directorate's Notification of even No. dated 17-10-77, has been extended upto 31-3-78 or until the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 5th January 1978

No. 3-21/74-Adm.—Shri I. R. Malhotra, permanent Accounts Officer belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts, is hereby appointed as Accounts Officer in National Forest Resources Survey, Dehra Dun w.e.f. 26-12-1977 (F.N.) on deputation terms, until further orders.

S. B. PALIT
Chief Coordinator

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 29th December 1977

No. P.P.D/3(236)/76-Adm.16781.—In partial modification of this office's notification of even number dated December 5, 1975 the date of appointment of Shri A. L. Saraswate, D/Man 'C' of this Division as Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, may please be read as August 2, 1975 instead of August 1, 1975.

B. V. THATTI
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 4th January 1978

No. D.P.S/2/1(1)/77-Adm.1769.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazinchand, Chief Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ad hoc* basis in the scale of pay

of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the same Directorate with effect from 9-9-1977 to 13-1-1978.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm./1775.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 3-12-1977 to 13-1-1978.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY
(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 22nd December 1977

No. APA/Adm./16/3/73.—Consequent on his transfer to the Bhabha Atomic Research Centre, Shri V. R. Rege, Asstt. Accounts Officer in this Office has been relieved of his duties on the afternoon of November 15, 1977 and granted earned leave for 46 days from November 16, 1977 with instructions to report to BARC on the expiry of that leave.

R. VEERA RAGHAVAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th December 1977

No. A.32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mullick, Asstt. Technical Officer at Present officiating as Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 22-9-77 (F/N) in the Office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 7-11-77 and until further orders and to post him at the same station.

The 6th January 1978

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri M. A. Venugopal Technical Officer in the Aeronautical Communication organisation of the Civil Aviation Department, at present on deputation to Zambia, to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from the 1-11-77 (F/N) and until further orders.

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint the following 14 Technical Officers working as Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis, as Senior Technical Officer on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the 1-11-1977 (F/N) and until further orders at the station indicated against each.

S. No., Name and Station of Posting :

1. Shri N. R. Swamy, Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D., Hyderabad.
2. Shri V. K. Khandelwal, Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D. Calcutta.
3. Shri S. K. Saraswati, Director, R.C.D.&U, New Delhi.
4. Shri S. P. Hardas, A.C.S. Gauhati.
5. Shri B. N. M. Rao, A.C.S. Hyderabad.
6. Shri V. K. Chaudhury, A.C.S. Bombay.
7. Shri S. Krishnaswamy, ACS, Madras.
8. Shri Sushil Kumar, D.G.C.A. (HQ).
9. Shri J. V. Sarma, Regional Office, Bombay.
10. Shri R. K. Sood, O.A.T.C. Allahabad.
11. Shri A. G. Narasimha, Director, R.C.D.&U., New Delhi.
12. Shri M. M. Poulose, A.C.S. Calcutta.
13. Shri A. Jagdeshan, A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.
14. Shri K. Surender, A.C.S. Palam.

The 7th January 1978

No. A.32013/5/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Garg, Senior Communication Officer in the office of Controller of Central Radio Stores Depot, New Delhi to the grade of Assistant Director of Communication (Operation) on *ad-hoc* basis with effect from the 9th December, 1977 (F/N) and till such date the vacancies are available on *ad-hoc* basis and to post him in the Headquarters.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th January 1978

No. 1/425/77-ES1.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 21-10-77 to 21-11-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad, the 17th December 1977

No. 26/1977.—Shri A.P. Srivastava, Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' posted at Customs and Preventive Division, Gorakhpur, after expiry of his leave preparatory to retirement has retired from Government service in the afternoon of 31-10-77.

The 24th December 1977

No. 30/1977.—Shri Harbhajan Lal, officiating Officer Superintendent of Central Excise posted in Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur and appointed to officiate as Examiner of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 *vide* Establishment Order No. I/A/355/77 dated 23-9-77 issued under endorsement C. No. II-145-ET/75/44772 dated 23-9-77 tookover charge of the office of the Examiner of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad on 26-10-77 (F.N.).

No. 31/1977.—Shri Rajendra Mohan Sinha, Confirmed Inspector (S.G.) posted in Integrated Divisional Office Gorakhpur and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 *vide* this office Establishment No. I/A/354/77 dated 23-9-77 issued under endorsement C. No. II-140-ET/76/Pl./44626 dated 23-9-77 tookover charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Integrated Divisional Office, Gorakhpur on 11-11-77 (F/N).

A. L. NANDA
Collector

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1977

No. 132/77.—Shri R. D. Agarwal, officiating Superintendent Central Excise, Group 'B' Aligarh handed over the charge of Superintendent Central Excise S.R.P. Aligarh in the forenoon of 30-9-77 (A.N.) to Shri R. S. Saxena, Superintendent Central Excise Aligarh and retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-9-1977.

K. P. ANAND
Collector

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 31st December 1977

No. 1/338/69-FCIX.—Shri B. S. Soni, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-77 (A.N.).

The 5th January 1978

No. 27/13/76-ECIX.—The Director General of Works, is pleased to accept the resignation tendered by Shri A. R. Doipha, Assistant Architect, attached to Senior Architect (Consultancy) C.P.W.D., New Delhi, with effect from the date of issue of this Notification.

2. The period of absence from 1-12-77 to the date of issue of this Notification has been treated as dies-non for all purposes including pension.

D. P. OHRI
Dy. Director of Administration

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 1st November 1977

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central P.W.D. on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-10-77 A.N.

Name and Present Designation :

S/Shri

G. B. Malkani, Executive Engineer (Vigilance), C.O., C.P.W.D., New Delhi.
2. R. D. Mistry, Executive Engineer, Bombay Central Division No. I, C.P.W.D., Bombay.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Engineer-in-Chief

CENTRAL RAILWAY

Bombay (VT), the 6th January 1978

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the date shown against each.

Names and Date of confirmation in Class II Service :

1. Shri B. S. R. Murthy—22-3-1977.
2. Shri V. S. Chellappa—22-3-1977.
3. Shri D. P. Srivastava—22-3-1977.

P. R. PUSALKAR
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Coimbatore Steel Industries Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1977

No. 5178/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Coimbatore Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamilnadu

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Home Properties Private Limited

Madras-6, the 30th December 1977

No. DN/869/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Home Properties Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Ajant Machscrews Private Limited

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5431/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ajant Machscrews Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. India Air Coolers Private Limited

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5442/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. India Air Coolers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
K. V. S. Chit Funds Private Limited

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5735/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of K. V. S. Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Rajam Chit Fund Private Limited

Madras-6, the 2nd January 1978

No. 6687/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajam Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sterling Engineering And Transport Company Private
Limited

Gwalior-474001, the 7th January 1978

No. 873/KBLJ/164.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sterling Engineering And Transport Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

J. R. BOHRA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS—

1. Smt. Madhabi Dutta (Smt. MADHABI DUTTA)
w/o. Late Monindra Sankar Dutta Sankar Bhavan,
Hospital Road, Silchar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 9th January 1978

Ref. No. A-144/SILCHAR/77-78/1234-38.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. Patta no. 637, Dag no. 5882, 5883 and 5879 situated at muza-Silchar town, Pargana Baraknagar Assam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 2-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Kashi Ram Jain s/s. Late Show Narain Jain.
2. Sri Hanuman Prasad Jain s/o Sri Kashi Ram Jain.
3. Sri Om Prakash Jain s/o Sri Kashi Ram Jain
4. Sri Ajay Kumar Jain s/o Sri Kashi Ram Jain
Care of Messrs Steel Traders, Hospital Road, Silchar-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Building of godown type measuring 3000 sq ft. (approx) situated at muza Silchar town, Pargana Barakpar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9.1.1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

No. Acq. 23-1-1346(620) /2-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 96/1, Plot No. 165, situated at Chamundakrupa, Plot No. 165, Manekpara, Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amreli on 2-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Kadiya Chandikant Kadwabhai Tank,
(2) Kadiya Bhanjibhai Kadwabhai Tank,
(3) Kaśturban Sundarji Tank, Amreli (At present : Rajkot)
(Transferor)
- (2) (1) Luhar Mansukhlal Parshottam Dodiya
(2) Luhar Manilal Parshottam Dodiya,
Chamunda Krupa, 165, Manekpara, Amreli.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building known as "CHAMUNDA KRUPA", bearing S. No. 96/1, Plot No. 615, standing on land admeasuring 711 sq. yards, situated at 165, Manekpara, Amreli and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 749 dt. 2-5-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Patni Alarakh Hussein Bhoda, etc.
Baharkat, Veraval, Distt : Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

No. Acq.23-I-1293(621)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 171 & 172 situated at Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval on 3-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Bhavna Co-operative Housing Society Ltd., Through President, Shri Asandas Jnethanand Krishnani, VERAVAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land bearing S.No. 171 & 172 admeasuring 11737 sq. yds. situated at Veraval and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 988 dt. 3-5-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Kishanchand Jamnadasbhai Pirwani,
 (2) Rameshchandra Jamnadasbhai Pirwani,
 (3) Pahalaj Jamnadasbhai Pirwani, Bhaktinagar
 Station Plot-2, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Saurashtra Trading Co., through partners :—
 (1) Shri Bhupatil Dhanjibhai Tanna,
 (2) Shri Chandrakant Dhanjibhai Tanna,
 (3) Shri Dilipkumar Dhanjibhai Tanna,
 32, Prahalad Plot, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabnd-380009, the 30th December 1977

No. Acq.23-I-1339(622)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 374 Plot No. 5 situated at Mavdi Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 11—436GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 416.66 sq. metres bearing Survey No. 374, Plot No. 5, situated at Mavdi Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 958 dt. 11-5-77.

S. C. PARIKH.
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Leela Bai, W/o Shankerlal Agarwal,
H.No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

2. Smt. Matra Bai Jain, W/o Sri Vamsraj Jain, H. No.
15-6-614 at Siddiambazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1978

Ref. No. RAC No. 175/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15-1-6/1 situated at Nizamshahi-Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, bearing M. No. 15-1-6/1 admeasuring 38 Sq. Yds. situated at Nizamshahi Road, Opposit Osmangunj, Hyderabad, registered vide Document No. 1150/77 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10.1.1978

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Dwarkadas Gokaldas Tanna.

(2) Shri Kalidas Gokaldas Tanna.

(Transferor)

- (a) Maniben Chatrabhuj,
- (b) Pramila Chatrabhuj,
- (c) Minaxi Chatrabhuj,
- (d) Minor Piritbala Chatrabhuj,
- (e) Chetna Chatrabhuj,
- (f) Harish Chatrabhuj,

Legal heirs of Late Chatrabhuj Gokaldas, 35, Jagnath Plot, Rajkot.

(2) Shri Tribhovandas Muljibhai Dodiya, First Khetwadi, Badrikashram, 3rd Floor, Room No. 197, Bombay-4.

(Transferee)

(3) Sutar Lalitaben Kanjibhai

(Persons occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq.23-I-1337(627)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot at Karanpara 13, situated at Between 13 Karanpara & Karansinhji Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 300-7-72 sq. yards (viz. Hansabhuvan-Old Name-) bearing plot at Karanpara 13, situated between 13, Karanpara & aransinhji Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1012, dated 18-5-1977.

S. C. PARikh,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 10-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Shri M. Munaswamy Reddy, S/o Chinna Venkatesham Reddy, H. No. 382 at Badla Veedi, Tirupathy, (Transferor)
2. Shri Ganugapenta Subbaratnamma, W/o Krishna Reddy, H. No. 81 at Nehru Street, Tirupathy. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC.No. 176/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 206, 207, 208/14 situated at T.P. Area Tirupathy (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tirupathy on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 206, 207 and 208, TS. No. 4454/2 and 4453/2 Old Ward No. 11 and New Ward No. 14 in T.P. area, Tirupathy, Chittoor-Dist, registered vide Document No. 820/77 in the Office of the Sub-Registrar Tirupathy.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 11-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 177/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-11-1079/1 situated at Mirchi Compound, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Pranjal S/o Karsanji, C/o Gujarathi Hotel, Nizamabad. (Transferee)

2. Saraswathi Viswa Brahman Bhavanamu Committee, Represented by Sri M. S. Yadagiri, Acharyulu, H. No. 3-1-51 at Dayananda Bazar, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property, No. 7-11-1079/1 at Mirchi Compound Nizamabad, registered vide Document No. 2040/77 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 11-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 178/77-78.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Office No. 231 & 232 S.D. Road, situated at Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Secunderabad on 31-5-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—1. Swastik Construction Co., at 111-Sarojini Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

2. Smt. Vibha Bhandari, H. No. 11-3-3/11/2 East
Nehrunagar, Secunderabad.

(Transferee)

3. Bharat Hevy Electricals Ltd. Hyderabad.
(Person in occupation of the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Rooms 231 and 232 in 2nd floor of Chandralok
Complex situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad,
registered vide Doc. No. 797/7 in the office of the Sub-
Registrar Secunderabad.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, HyderabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date 11-1-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Cwastik Construction Co.,
at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 179/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 323 situated at S.D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 323 on the IIIrd floor of Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 798/77 in the Sub-Registrar of Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 180/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-11 & 12 situated at Mahankali St. Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 23-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Radhakishen Jhaver, S/o Haridas Jhaver, H. No. 366-T.H. Road, Tondiarpet, Madras.
(Transferor)

(2) Sri Vonamala Jagadeeswariah, S/o Venkayya, 2184 Mahankali Street, Secunderabad.
(Transferee)

(3) 1. Shri Ramachander K. Bhagat,
2. Sri Amba Bhavani,
3. Sri Radhakishen Jhaver,
all R/o H. No. 3-4-11 and 12 at Mahankali St. Secunderabad.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-4-11 and 12 at Mahankali Street, Secunderabad, registered vide Doc. No. 770/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishnakumarsinhji Janaksinhji, through power of attorney holder, Shri Janaksinghji Chandrasinhji, Rajpar, Taluka, Wadhwan City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Jamnadas Harilal,
2 Shri Chimanlal Harilal,
Satyakunj, Sardarnagar,
Tagore Main Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th January 1978

Ref. No. Acq.23-I-1390(629)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 433-1 Paiki, Plot No. 127 situated at Sardar Nagar, Tagore Main Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

12—436GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A bungalow known as "Satyakunj" standing on land ad-measuring 600 sq. yards bearing S. No. 433-1 paiki Plot No. 127, situated at Sardar Nagar, Tagore Main Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 959, dt. 11-5-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th January 1978

Ref. No. Acq.23-I-1360(630)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 173 2-2 paiki Final Plot No. 200-1, 200-2 paiki S.P. No. 5 of proposed TPS No. 23, situated at Achier Sabarmati, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Mistry Babaldas Tribhowandas,
2. Mistry Natwarlal Babaldas,
Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) G. S. Wilakhoo Enterprises,
through partners : Gurudvansingh Wilakhoo & others,
12, Ghosha Society, Opp : Sardar Patel Institute &
Drive-in-Cinema, Thaltej Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shed standing on land admeasuring 1050-8 sq. mtrs. bearing S. No. 173-2, paiki Final Plot No. 200-1, 200-2, Sub-Plot No. 5 of proposed TPS No. 23, Achier-Sabarmati, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-1-1978.

Seal : .

FORM ITNS

(1) M/s Satyankar Traders,
No. 45, Byrasandra Road,
Tilak Nagar, Bangalore-560 011,
Its G.P.A. holder Sri S.G. Satyanarayana Rao.
(Transferor)

(2) Shri K. V. Venkataramaiah Setty,
S/o Venkatarathniah Setty,
Merchant, Guler, Bagepally Taluk,
Kolar District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1977

Ref. C.R. No. 62/9450/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site bearing No. 12/3A situated at Karithimmanahally, Aswathakatte Road, Mysore Road Cross, Bangalore (Corporation Division No. 24)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 6/77-78 on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6/77-78]

Dated 1-4-1977]

Vacant site bearing No. 12/3A, Karithimmanahally, Aswathakatte Road, Mysore Road Cross, Bangalore (Corporation Division No. 24).

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-12-77

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1977

Ref. C.R. No. 62/9451/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property bearing Corporation No. 103, "Prakash Nilaya" Shankara Park, Shankaramutt Road, situated at Shankarapuram, Bangalore-4, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bassavanagudi, Bangalore. Document No. 4/77-78 on 1-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) His Holiness Sri Abhinava Vidyathirtha Mahaswamigalavaru, Jagadguru of Sri Sharada Peetha, Sringeri. Represented by G. P. A. holder Shri K. Krishna Bhatt, S/o Sri Narayana Bhatt, R/o Sringeri, Shimoga Dist. Karnataka.

(Transferor)

- (2) Shri D. S. Dwarakanath, S/o B. L. Subbaraya Murthy, No. 105, "Prakash Nilaya", Shankara Park, Shankaramutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 0/77-78

Dated 1-4-77]

Property bearing Corporation No. 103, "Prakash Nilaya", Shankara Park, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

Boundaries :—

East—Shankara Mutt Road,
West—House No. 99 of Anantha Parmanabha
North—House No. 104 of Shankara Mutt and
South—House No. 102 of Shankara Mutt.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 20-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Banaglore-560 001, the 22nd December 1977

Ref. C.R. No. 62/9517/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 206/45, Palace Upper Orchards Extn. situated at Bangalore-560 006,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 109/77-78 on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri V. V. Subramani, S/o Late Sri V. S. Venkateswara Iyer, No. 8, Lord Sinha Road, Calcutta-17, Presently residing at No. 28, Arch Bishop Mathias Avenue, Madras-28, Represented by G. P. A. Holder Shri V. S. Rajan, S/o Sri V. V. Subramanian, No. 28, Arch Bishop Mathias Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) Kumari Sangeetha Sindhe, D/o Sri Ashoka Sindhe, No. 28, Upper Palace, Orchards, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 109/77-78 Dated 14-4-1977]

All that piece and parcel of land together with building, fixture and compound etc. known as No. 206/45, Palace Upper Orchards Extension, Banagalore-6 and measuring East to West—80 ft. and North to South 1123 ft be it little more or less.

Boundaries :

North : Site No. 338,
South : Road,
East : Site No. 207,
West : Site No. 205.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Lt. Col. A. W. Sunita,
No. 475, 1st Stage, Indiranagar,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd December 1977

Ref. C.R. No 62/9672/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 176, Defence Officers Colony situated at Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivujinagar, Bangalore. Document No. 35/77-78 on 6-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Valsa Mathew,
W/o Sri George Mathew,
"Barton Court", Mahatma Gandhi Road,
Bangalore-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 35/77-78 Dated 6-4-1977]

All that piece and parcel of land in site No. 176, Defence Officer's Colony, Indiranagar, Bangalore and measuring North to South=100 feet and to West=80 feet.

Boundaries :

North : 30 feet layout Road,
South : Site No. 196,
East : Site No. 177,
West : Site No. 175.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/41, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/267/77-78/5064.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2/137 situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Subramaniyan S/o Sh. R. Rajagopala Iyer, R/o 17, MunnuSwamy Mudaliar Avenue, Kancheepuram (Tamil Nadu) (Transferor)
- (2) Shri Bal Krishan Mohla S/o Shri Dwarka Nath Mohla, Sushil Mohla & Shri Arun Kumar Sharma S/o Shri Bal Krishan Mohla R/o A-2/137 Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. 137 Block A-2 situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi and bounded as under :—
East : Road
West : Lane
North : House No. 136
South : House No. 138.

A. L. SUD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 10-1-1978
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III.
4/41, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. Acq.III/266/77-78/5064.—Whereas, I, A. L. SUD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-41 situated at Janta Market, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Ushnak Singh, R/o Road No. 43, Kothi No. 38 Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Kinti Lal and Sh. Som Nath S/o Shri Sardari Lal R/o 3726 Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A single storeyed house, constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing No. S-41 situated in Janta Market, Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under:—

North : Property No. S-42
South : Propriety No. S-40
East : Road
West : Service Lane

A. L. SUD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/41, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/265/77-78/5065.—Whereas, I,
A. L. SUD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 52/22 Mpl. No. 8095 situated at Ramjas Road,
WEA Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 27-7-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

13-436GI/77

(1) Shri Anil Kumar Mahajan
S/o Shri Chaman Lal Mahajan
R/o No. N-71, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Inderjit Kumar Malhotra
S/o Shri Girdhari Lal Malhotra,
2. Shri Sat Pal Ghulati
S/o Shri Kishan Chand Gulati,
3. Shri Kewal Krishan Manchanda
S/o Shri Fateh Chand Manchanda,
4. Shri Ramesh Ram Chandra Lokeshwar
S/o Shri Ram Chandra Venkatesan Lokeswar
5. Smt. Shashi Prabha
W/o Shri Ram Murti Bhardwaj,
R/o No. 52/22 Mpl. No. 8095 Ramjas Road,
WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Inderjit Kumar
2. Shri Sat Paul Gulati
3. Shri Kewal Krishan Manchanda
4. Shri Ramesh Ramchander Jokeshwar
5. Smt. Shashi Prabha Bhardwaj.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied house constructed on a plot of land measuring 252.80 sq. yds. bearing No. 52/22 Municipal No. 8095 situated at Ramjas Road, WEA Karol Bagh, New Delhi.

A. L. SUD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 10-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. S. Sud, S/o Shri Nand Lal,
R/o 17, Tolstoy Marg, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/41, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/73/July-I(14)/77-78.—

Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 57 situated at Golf Links, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(2) M/s Atma Steels Pvt. Ltd.,
201, Ansaf Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca building built on Plot No. 57, Block
No. 10 measuring 1373.4 sq. yds. situated at Golf Links,
New Delhi and bounded as under :—

North-East : Plot No. 58, Block No. 10

North-West : Service Road

South-West : Plot No. 56, Block No. 10

South-East : Approved Road.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 11-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shobha Kumar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 19th December 1977

Ref. No. AR-I/2011-39/Apr-177.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 769(pt) of Mal & Cum. Hill Divn. situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 418/74/Bom, and registered on 4-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4263/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 283 (3.79 $\frac{1}{2}$ Acres), situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Doc. No. 295/77) on 4-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri P. Velayutham,
S/o Shri Pullaku Servai
Kuniamuthur village,
Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Palaniappa Gounder
S/o Shri Nanjappa Gounder
Kolathupalayam,
Sundakamuthur village,
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.79 $\frac{1}{2}$ Acres of land bearing S. No. 283 situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk.

K. PANNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4263/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 282/1 and 293, situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk (3.794 Acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II Coimbatore (Doc. No. 296/77) on 4-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri P. Velayutham,
S/o Shri Pullaku Servai
Kuniamuthur village,
Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Vijayakumar,
S/o Shri Palaniappa Gounder,
Kolathupalayam
Sundakamuthur village,
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3.97½ Acres of land bearing S. No. 282/1 and 283 situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk, (Doc. No. 296/77 JSR II, Coimbatore).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PANNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4279/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door Nos. 22/20A situated at Othai Chekkara St. No. 2, Coimbatore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 815/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. T. J. Lakshmi Ammal;
2. T. J. Suguna;
3. T. J. Kannan;
4. T. J. Ramachandran;
5. T. J. Mohan
6. T. J. Vijayaraghavan; (Minor)
7. Gokilavani (Minor)
Minors represented by Smt. Lakshmi ammal
No. 41 Karuppa Gounder St.,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri N. Renganathan
No. 109 Dr. Nanjappa Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing D. No. 22/20-A, (T.S. No. 5/295) Othai Chekkara Street No. 2 Coimbatore.

K. PANNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

FORM JTNS

S/Shri
 (1) (1) Puvvada Suryanarayana,
 (2) P. Krishnamurti,
 (3) P. Durgaprasad,
 (4) P. Bhaskararao,
 (5) P. Anand Mohanrao, } } Minor by guardian
 Vijayawada-1. } father
 P. Krishna Murty

(Transferor)

(2) Shri Kurra Gopalakrishnaiah,
 S/o Venkataramaiah,
 Potarlanka, Repalle Taluk,
 Guntur Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KAKINADA
 Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 536.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 33 and 34/2 situated at Potharlanka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhattiprodu on 12-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 350/77 registered before the Sub-registrar, Battiprolu during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 537.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill D. No. 161 situated at Mopidevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Challapally on 4-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) (1) Kantamneni Krishna Saraswatamma, Nagayatippa,
- (2) Guthikonda Saikumar Nagayatippa, Divi Taluk,
- (3) Guthikonda Satyavathidevi, Nagayatippa.
- (4) Nuthakki Kamala Tulasamma, Mopidevi Wharf.
- (5) Vallabhaneni Vijayakumari, Sajavaripalem, Repalli Taluk, Guntur Dist.

(Transferor)

- (2) (1) Kantamneni Bhavanisankaraprasad, Nagayatippa.
- (2) Kantamneni Suseeladevi, Nagayatippa.
- (3) Y. Chidananda Jaisuryam, Nagayatippa.
- (4) Y. Padmanabharao, Bodapadu, Tenali Taluk.
- (5) Kothapalli Venkatasubbarao, Oleru, Repalli Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 749/77 registered before the Sub-Registrar, Challapally during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 538.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-1-16 situated at Changalraopet Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 5-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) (1) Pandurangi Konanda Ramarao,
- (2) P. Sreenivasa Narasingarao,
- (3) P. Mupralikrishna,
Minor by guardian's father
P. Kodandaramarao,
Co-operative Colony, Near Sankar Matham,
Visakhapatnam-4.

(Transferor)

- (2) Shri Kodukula Venkateswarlu,
22-1-16, Araharam St.,
Changalraopet,
Vizag-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1188/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Javar Deen and Ragbir sons of Sri Kabool, R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Nahar Singh and Kiranpal Singh Sons of Sri Balwant Singh, R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/610-A/M. Nagar/77-78/7310.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PFR SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill. Purbaliyan Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-1-78

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/737-Λ/B. Shahar/77-78/7309.—Whereas I,

R. P. BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Surta Devi wife of Satyapal Singh
R/o Gera, Parg. Ahar, Teh. Anoop Shahar,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Khoob Singh son of Shiv Singh
R/o Khairpur, Parg. Syana
Saidpur, Teh. & Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Kharkali Parg. Syana, Jangal Avval, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref No Acq/736 A/B Shahar/77-78/7308—Whereas I, R P BHARGAVA being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahar on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kale Singh, Sukhraj sons of Julian, R/o Makri, P O Khas, Parg Syana Teh Kila, Distt Bulandshahar

(Transferor)

(2) S/Shri Bhawani Singh, Phool Chand, Man Singh All sons of Chiranjit Lal R/o Makri P O Khas, Distt Bulandshahar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill Makri, Parg Syana, Distt Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs 30,000/-

R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 17-1-78
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Alijan and Rehman sons of Kabool
R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur,
Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Masoom Ali, Afsaroon sons of Mcharban
(Both Minor sons), Guardian Mehaban
S/o Karam Singh, R/o Vill. Purbaliyan,
Parg. Shikarpur, Teh. Budhana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/607-A/M Nagai/77-78/7307.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Purbaliyan Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 57,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/738-A/B. Shahar/77-78/7306.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Afsari Begum widow Mahboob Ali R/o Aurangabad, P.O. Khas, Parg. Baran Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

(2) S/Shri Shadi s/o Baldeo, Chandra Pal, Om Prakash Mehi Lal sons of Chidda, Hukum Singh, Ganga Das sons of Har Bhajan, Itwari S/o Chunni Singh, Ram Swaroop S/o Tulsi, R/o Mundi Babbapur, P.O. Khas, Parg. Syana, Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of land situated at Vill. Aurangabad, Parg. Baran, Distt. Bulandshahar transferred for an app. consideration of Rs. 31,500/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref No 755-A/Acq/KNP/77-78/7312 —Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ghatampur on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Munna Lal s/o Ram Narain
R/o Vill Ramya, Post Office Ramya
Teh Akbarpur, Distt. Kanpur

(Transferor)

(2) Shri Mahgu Lal and Mishu Lal, Ram Prasad and
Mewa Lal, s/o Ujagar,
R/o 86/3, White Colony, Juhu, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at vill. Hurni, Paig Ghatampur, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 30,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 546.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23.5.32 and 33 situated at Patnam Bazar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 23-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Majeti Panakalarao,
S/o Mutyalarao,
Madireddi vari St., Near Big Mosque,
Rajahmundry.

(Transferor)

S/Shri

(2) (1) Tadikonda Koteswararao, S/o Venkateswarlu,	Sons of Koteswararao, Patnam Bazar, Guntur
(2) T. Ramavara Prasad,	
(3) T. Bhuvaneswararao,	

(4) T. Hari Prasad,

(Transferee)

(3) Shri Majeti Subrahmanyam,
D. No. 23.5.32,
Patnam Bazar, Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

The schedule property as per registered document No. 2301/77 registered before the sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 7th January 1978

Ref No Acq F No 552—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 10-1-4 situated at Gunturvari Thota, Guntur (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 10-1-4 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

15—436GI/77

S/Shri
(1) (1) Smt Kuria Annapurnasagar,
W/o Late K Vidyasagar,
(2) Kum Mathali, Minors by guardian
(3) Laxmayya, mother
(4) Chaitanya, K Annapurnasagar
(5) Kuria Balasubrahmanyam,
S/o Laxmayya,
(6) Kuria Raghavendiarao,
S/o Laxmayya,
(7) Smt Swarnakumari
W/o V Tatayya Chowdari,
(8) Smt Paivathidevi,
W/o Davuluri Rangabhashyam,
(9) Smt Vedavathi,
W/o Chekuri Venkayya,
(10) Smt Kalyani,
W/o Potla Gopayya Chowdari
(11) Smt Dhanalakshmi,
W/o Maguluri Ravikumar,
Sambasivapeta, Guntur
(now residing at Hyderabad)

(Transferor)

(2) Shri Nannapaneni Venkata Subbamma
W/o Rattaiah,
Narasayapalem P O,
Bapatla Tq, Guntur Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 2450/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-5-77

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-1-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Vazeeruddin,
S/o Late Jainullaiddin Saheb,
Rajahmundry
(Now at Bombay-400001, Business).

(Transferor)

(2) Majeti Panakalaraao,
C/o Srinivasa Finance Corporation,
Devi Chowk, Rajahmundry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 553.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 47-5-2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 1719/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No Acq. F. No. 554.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 30 and 31 situated at Vazrakutam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 15-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri
 (1) (1) Morukurti Gangaraju,
S/o Tatyam,
 (2) M. Bhadram
 (3) M. Satyanarayana
 (4) M. Apparao,
 (5) M. Naganna,
 (6) M. Atchayya,
 } Minor by guardian
 father M. Gangaraju,
 Komaragiri
 (Transferor)

(2) Shri Damera Venkata Sesharao,
S/o Venkata Apparao,
Chitiada, Pithapuram Tq.,
E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1821/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 555.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9,68,27 situated at Doodi Factory St., Kothapeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-5-77 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Boddu Lakshmana Rao,
S/o Late Satyanarayana Murty,
Motor Mechanic, Doodi Factory St.,
Behind Fish Market,
Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Akram,
C/o Andhra Dry Fish Co.,
Kothapeta Fish Market,
Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 901/77 registered with Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri T. Varalakshmi &
T. V. A. Rammohan Rao,
C/o Punjab National Bank,
Rashtrapathi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kodur Basava Sankarao,
S/o Rangarao,
Srirama Rice Mills,
Gudivada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 556.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 15/1 and 1A situated at Mandapadu Vg., Gudivada Municipal Area (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 4-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property as per registered document No. 941/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada, during the fortnight ended on 15-5-77.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref No Acq F No 557—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No RS No 311 and 322/2 situated at Tholukodu Vg, of Mylavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylavaram on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

S/Shri
(1) (1) Velvadupu Ramakrishnaraao,
S/o Lakshminarayana,
and his undivided sons,
(2) Lakshminarayana,
(3) Venkata Muralidhararaao,
(4) Ramachandraraao,
(5) Venkata Vishnuvardhanaraao,
(6) Suryanarayana
Represented by father
V Ramakrishna Rao,
Velavadam Vg., (VIA)
Mylavaram, K Dist
S/Shri

(Transferor)

(2) (1) Att Yedukondalu and
(2) Atta Srinivasarao,
Both represented by father A Puttaiah,
S/o Venkaiah,
Tholukodu,
B/o Mylavaram, Krishna Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 525/77 registered before the Sub-registrar, Mylavaram during the fortnight ended on 31-5-77

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 7-1-78

Seal .

FORM ITNS

(1) Dr Patibandla Dhakshinamurty,
Girija Nursing Home,
Kothapeta,
Tenali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri T V Purushothammarao,
Advocate,
Madireddyvare Street, Suryaopeta,
Vijayawada

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No
1278/77 registered with Sub registrar Vijayawada during
the fortnight ended on 31-5-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-1-78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) (1) S/Shri
Nanduru Kutumbarao,
S/o Venkatappayya,
(Retd. P.W.D Supervisor),
(2) N. Poornachandraraao,
S/o Venkatappayya,
Nidamanuru,
Vijayawada Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 560.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/24 situated at Eluru Road, Nidamanuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) (1) S/Shri
Seedrala Venkata Subba Rao,
S/o Kutumbayya,
(2) Smt. S. Bharati,
W/o S. V. Subbarao,
Nidamanuru,
Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1324/77 registered before the sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Kollipara Sreeramulu
 (2) Kollipara Venkatagangadharaprasadarao
 (3) Venkata Krishnasatyanarsimharao,
 M/ Sri K. Sreeramulu,
 C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gundu Krishna,
 S/o G. S. A. Sambasivarao,
 C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 561—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No

15/Now Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1320/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16—436GI/77

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Kollipara Sreeramulu
 (2) K. Venkatagangadharaprasadarao
 (3) K Venkatakrishnayyanarasimharao
 M/G K. Sreeramulu
 C/o Sri Venkatahari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(2) Palakurthy Lakshmi Ganapathirao,
 S/o Kantharao
 C/o Sri Venkatahari Lakshmi Talkies,
 Nachilipatnam.

(Transferee)

Kakinada, the 9th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq. F. N. 562.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15/New Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act 1908 (16 of 1802) in the Office of Registering Officer at Machilipatnam on May 1977 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

The scheduled property as detailed in the document No. 1321/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 9-1-1978

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Kollipara Sreeramulu
 (2) K. Venkatagangadhar Prasad Rao
 (3) K. Venkatakrishnasatyanarayana Simmaraao
 M/G. K. Sreeramulu
 C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(2) G.S.A. Sambasivarao, S/o Satyanarayana Murty
 C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. F. N. 563.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/New Machavaram ward 4/100th share in Sri Venkata-Hari Talkies (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1322/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref No Acq F No 561—Whereas, I N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 15/New situated at 8/100th share in Sri Venkatahari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) (1) Kollipara Sreeramulu
(2) K Venkatagangadharaprasadarao
(3) K Venkata Krishnasatyanarasimha Rao,
M/G K Sreeramulu,
C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
Machilipatnam
(Transferor)

(2) Shri Gundu Murtyujaya Naga Krishna Vittal
S/o G S A Sambasivaraao,
C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies
Machilipatnam
(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1323/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31/5/1977 including machinery

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date 9-1-1978

Seal.

FORM ITNS

(1) (1) Kollipara Sreeramulu
 (2) K Venkatagangadhai aprasadarao
 (3) K Venkata Krishnasatyanarsimharao,
 M/G Sri K. Sreeramulu,
 C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam

(Transferor)

(2) Shri Palakurthy Lakshmi Ramachandrasekhar,
 S/o P L Ganapathiaao,
 Machilipatnam

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No Acq F No 561—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 15/Now Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachali Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No 1320/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Kakinada

Date 9-1-1978

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq./732-A/Buland Shahar/77-78/7313.—
 Whereas, I, R. P. BHARGAVA
 being the Competent Authority under section 269B
 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the said Act), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. AS PER SCHEUDULE situated at AS PER SCHEUDULE
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bulandshahar on April, 1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or revision of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
 namely :—

(1) S/Shri Abdul Manna s/o Faiyyaj Khan,
 Smt. Sajda Khatoon w/o Shamimuddin,
 r/o Akbarpur Jhajha, Parg. Agauta, P.O. Gulaparhi,
 Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Arshadi Begum w/o Firoz Ahmad Khan, R/o
 Akbarpur Jhajha, Parg. & Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons—
 whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEUDULE

Immovable property consisting of land situated at vill.
 Akbarpur Jhajha, Distt. Bulandshahar, transferred for an
 apparent consideration of Rs. 8,000/-.

R. P. BHARGAVA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/644-A/G. Bad/77-78/7311.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhu Devi widow Balbir Singh
R/o Vill. & P.O. Sapnawat,
Parg. Dasna, Distt. Ghaziabad.
Present Address : 1291, Pyare Lal Sharma Road,
Meerut.

(Transferor)

(2) Rampal Singh Rana son of Arjun Singh
R/o Vill. & P.O. Sapnawat,
Parg. Dasna,
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill. Sapnawat, Parg. Dasna, Distt. Ghaziabad transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 568.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 7-136 situated at Bobbili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bobbili on 25-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Chelikani China Gopalrao,
S/o Chinnarao,
Agriculturist, Pirdi, Bobbili (P.O.),
Srikakulam Dist.

(Transferor)

(2) Shri G. Venkataraao,
C/o Y. Narayananurty,
Chartered Accountant,
274.51, Main Road,
Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1781/77 registered before the sub-registrar, Bobbili during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref No Acq F No 569—Whereas, I, N K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

11-30-31 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

17—436G1/77

S/Shri

(1) (1) I natu Poornachandra Rao
S/o Kutumba Rao,(2) I Chandrasekhar
Minor by guardian father
I Poornachandra Rao Advocate,
Governorpetta Vijayawada 2

(Transferor)

(2) Mahesh Trust, Nandipativeni St., Vijayawada-1
Represented by its Trustees

S/Shri

(1) Ramkumar Bang
S/o Govindiam Bang,(2) Vittalprasad Ballad,
S/o Govardhan Ballad,(3) Bansilal Loya
S/o Bankatal Loya,(4) Sitaram Gilda,
S/o Srinivas Gilda,(5) Mohanlal Saboo,
S/o Krishnalal Saboo,
Vijayawada 1

(Transfree)

S/Shri

(3) (1) Tupudi Laxmipati,

(2) Konakallalaxminarayana.

(3) Nandipati Sriramulu

(4) Bommisetty Venkateswara Rao
Nandipativeni St
Vijayawada 1

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property is per registered document No 1159/77 registered before the Sub-registrar Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-77

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Kakinada

Date 9-1-1978

Seal

FORM ITNS —

(1) Shri Kucharlpati Appalaraju,
S/o Late Sita Ramaraju,
Accountant Bank of India, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chirravai Jayalaxmi,
W/o Viswanadhasastry,
Shivanagar, Satara Dist., Maharashtra State.
C/o Sri Yechuri Bhaskara Haranath, Advocate,
Yechuri House,
27-4-69, Main Road,
Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 570.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 1008 situated at Waltair
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 31-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1525/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 571.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9/139 situated at Gudivada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gudivada on 5-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Smt. Rachakulla Samarajyam, W/o Late Sitaramanijaeyulu,
(2) Mr. R. Baburao,
(3) Kum. R. Manjuladevi,
(4) Mr. R. Venkatasambasivao,
(5) Kum. R. Venkatalaxmikumari, Minors by guardian mother Samrajyam 7th Ward, near Sivalayam, Gudivada

(Transferor)

(2) Smt. Surya Devara Varalaxmi, W/o Suryanarayana, C/o K. Veeraraghavaiah, Medical and Cement Dealer, Near Raju Hotel, Gudivada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 954/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No 572—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
RS No. 309/72 situated at Veeraghattam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Srikakulam on 17-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
(1) (1) Kaspa Jagan Mohan Rao,
S/o Laxmanamurty,
(2) Kaspa Ramaprasadarao,
S/o China Narasimhulu,
(3) Kaspa Manmadarao,
(4) Kaspa Ramakrishna,
S/o Ramaprasadarao,
Veeraghattam, Palakonda Tq,
Srikakulam Dist.

(Transferor)

- S/Shri
(2) (1) Adapa Mohan Rao,
S/o Appalaswamy,
(2) Mallabilli Bhujangarao,
S/o Ramarao,
(3) N. Manmadarao,
S/ Gurumuty,
(4) Namburu Appalaswamy,
S/o Sanyasi,
Veeraghattam, Palakonda Tq,
Srikakulam Dist.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. No. 1539/77 registered before the Sub-registrar, Srikakulam during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Patibandla Dhakshnamurty,
Girija Nursing Home,
Kothapeta, Tenali.

(Transferor)

(2) Smt. T. Rajarajeswari,
W/o I. V. Purushothamarao,
Advocate,
Madiveddivati Street, Suryaraopeta,
Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 558.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 27 situated at Chelasani Venkatakrishnaiah Street Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1279/77 registered with Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1977.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sushila Devi Sharma,
W/o Shri Biswanath Sharma,
Tokobari, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chemical & Pharmaceuticals (India),
Shiv Market, Gauhati-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 20th December 1977

Ref. No. A-141/GAU/77-78/J034-35.—Whereas, I, EGBERT SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 716 and 717, K.P. Patta No. 225 situated at Village Jafrigog, Mauza Beltola, Gauhati (Assam) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 2 Katta 7½ Lachs situated at Village Jafrigog, Mauza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Gauhati.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 20-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 29th December 1977

Ref. No. A-142/Gau/77-78/1181-85.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 208 and K.P. Patta No. 8, situated at Village RUKMINIGAON, Mouza BEJ TOLA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 22-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

S/Ship
(1) (1) Kangkai Gora,
(2) Sri Rabi Garo,
Village-Rukminigao, Mouza, Beltola,
Gauhati.

(Transferor)

S/Ship
(2) (1) Raj Singh Sadana,
(2) Sri Bhupinder Singh Sadana,
(3) Sri Aswinder Singh Sadana,
Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 2(two) Bigha 4(four) Katha and 5(five) Lecha of Village Rukminigao, mouza Beltola, Gauhati, District Kamrup, Assam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-12-77

Seal :

FORM 1TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 9th January 1978

Ref. No. A-143/SITCHAR/77-78/1227-31.—Whereas, I, EGBFRT SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R S Patta No. 637 Dag. No. 5882, 5883/5879 situated at Mouza Silchar town, Pargana Barakpur, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 2-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manabendra Sankar Dutta,
S/o Late Minindra Sankar Dutta,
Shanwar Bhavan, Hospital Road,
Silchar.

(Transferor)

(2) Shri Kash Ram Jain,
S/o Late Shew Narain Jain
Shri Hanuman Prosad Jain,
S/o Shri Kash Ram Jain
Shri Om Prakash Jain,
S/o Shri Kash Ram Jain
Shri Ajoy Kumar Jain
S/o Shri Kash Ram Jain
All C/o M/s. Steel Traders,
Hospital Road, Silchar-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Katha 2 Chattk situated at Mouza Silchar Town, Pargana Barakpur in the district of Cachar (Assam)

EGBFRT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Jagroshan Lal Son of Ramji Lal
R/o Vill. Kandhla, Parg. Kandhla,
Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th January 1978

Ref. No. Acq/615-A/M. Nagar/77-78/7223 —Whereas, I,

R. P. BHARGAVA
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) S/Shri Ishwar Singh, Avtar Singh Both Sons of Girwar Singh, Surya Prakash, Chandra Prakash, Umesh Kumar, Krishna Kumar, Sant Kumar. All sons of Ishwar Singh, Nahar Singh S/o Girwar Singh, Brijpal S/o Nagar Singh All R/o Khuwaspur (Bhakhmulpur), P.O. Khas Parg. Kandhla Distt. Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring about 14 Bigha, 18 Biswa, 6 Biswansi, situated at Vill. Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs 91,913/-.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Om Prakash S/o Musaddi Lal, Smt Sushila Devi, Rajnibala Agarwal Arvind Agrawal S/o Om Prakash. All Residents of 143, Ragnagran, Delhi Gate, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar S/o Daksh Kumar R/o Kambalwali Gali, Delhi Darwaja, Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 16th January 1978

Ref. No. Acq/651-A/Ghaziabad/77-78. —Whereas I,

R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property bearing No. 225, situated at Mohalla Kanhaiyalal Pashch Bazar, Naya Darwaja, Distt. Ghaziabad transferred for an apparent consideration of Rs 40,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-1-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Vishwanath Kasbekar Power of Attorney Holder Doctor. Kashinath Vithal Borkar, Pensioner, R/o. Kasba Kajubag, Karwar.

(Transferor)

(2) Shri Dayanand Allas Sheshgiri Ramachandra Kamath, Kajubag, Karwar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 7th January 1978

Notice No. 201/7 78 Acq - Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 483A/2 AND 3, situated at KARWAR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karwar, Under Document No 73/77.78 on 26-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Non-Agricultural Lands situated within the Karwar Municipality; Bearing survey No. 483A/2 and 483A(3), measuring 12.5 Gunthas and 11.5 Gunthas Respectively. Total Area 24 Gunthas.

D. G. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, DHARWAR

Date : 7-1-1978

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

